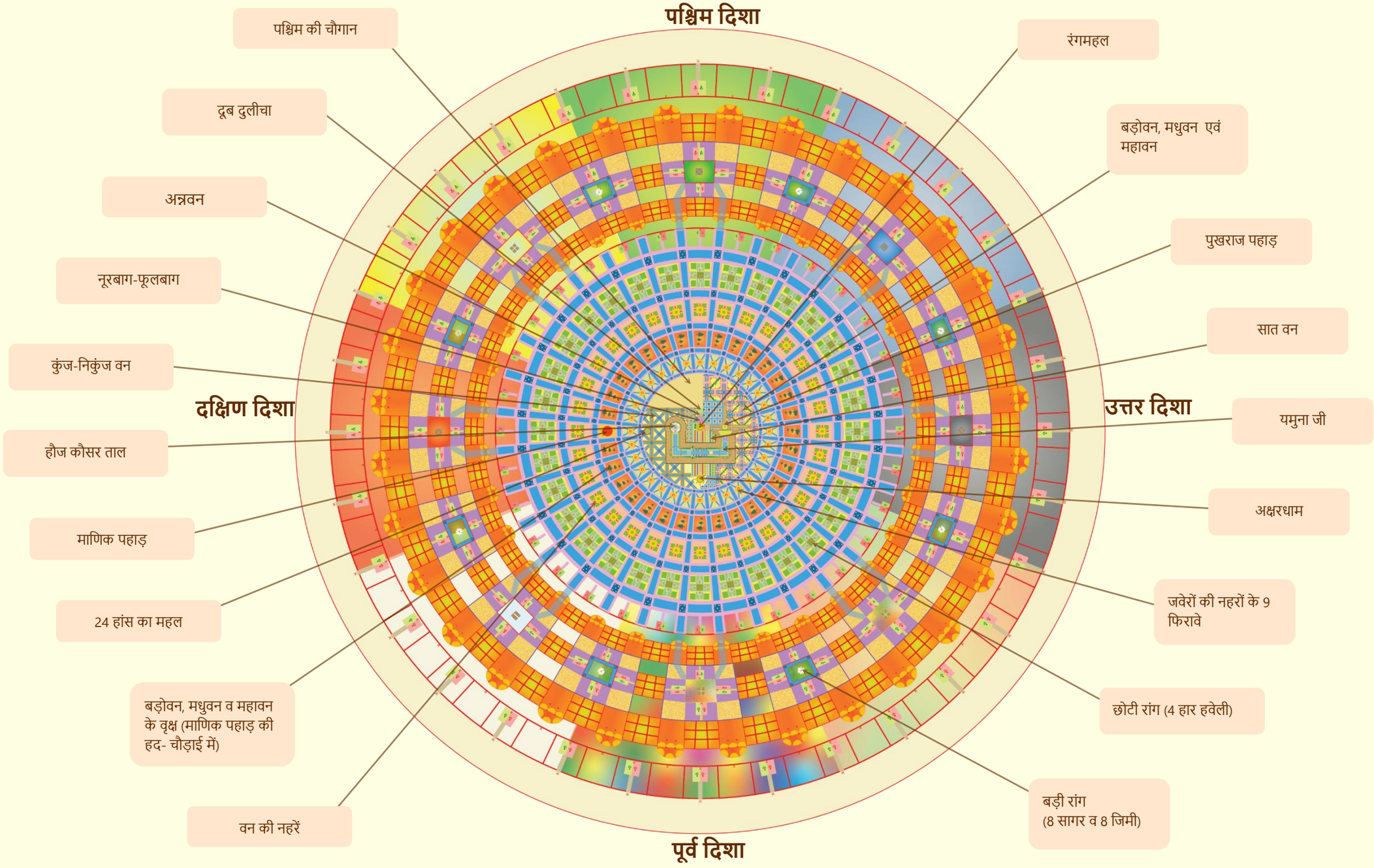
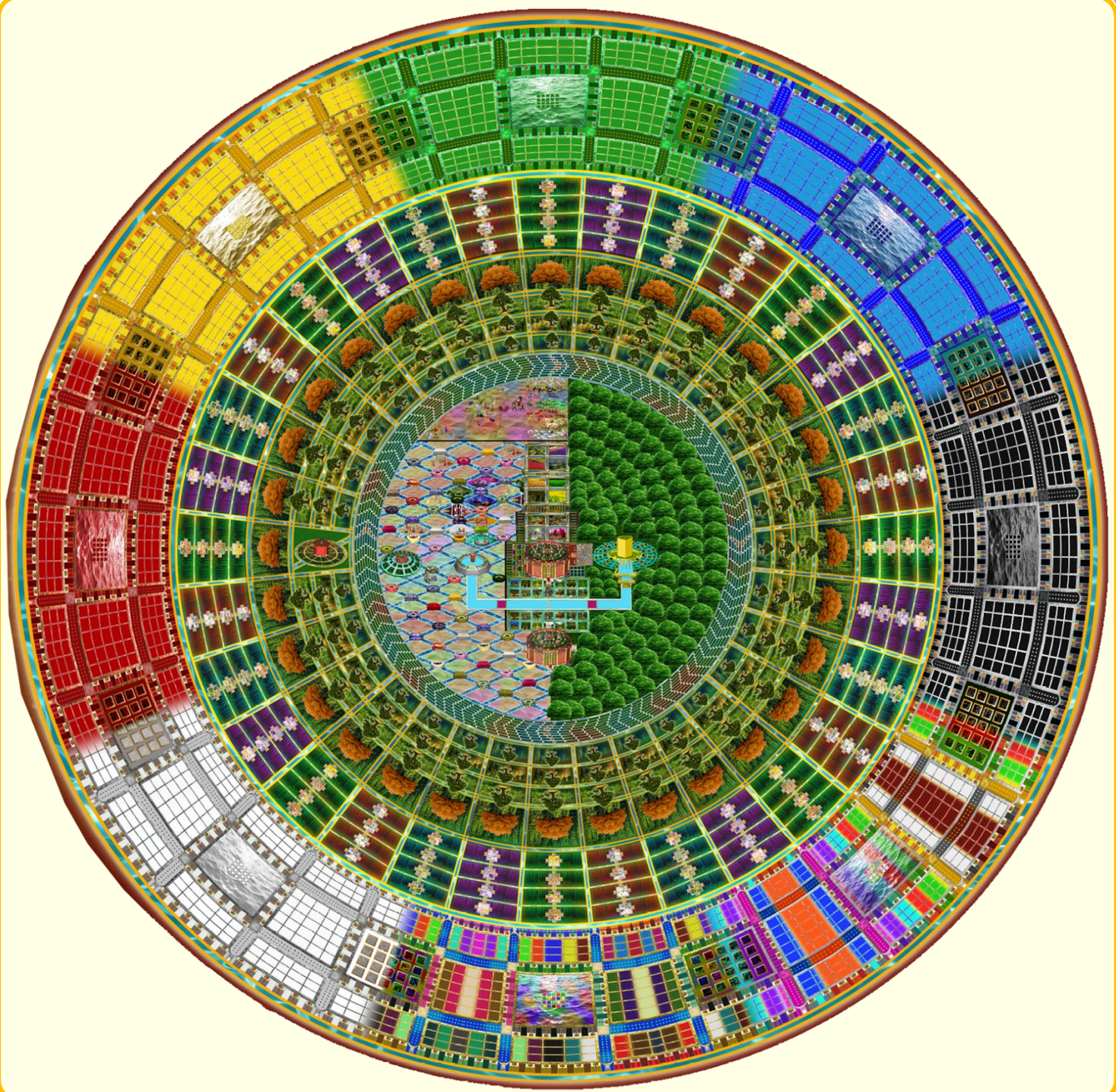
रंगमहल

नक्शा नं. 1 श्री परमधाम के 25 पक्ष की शोभा

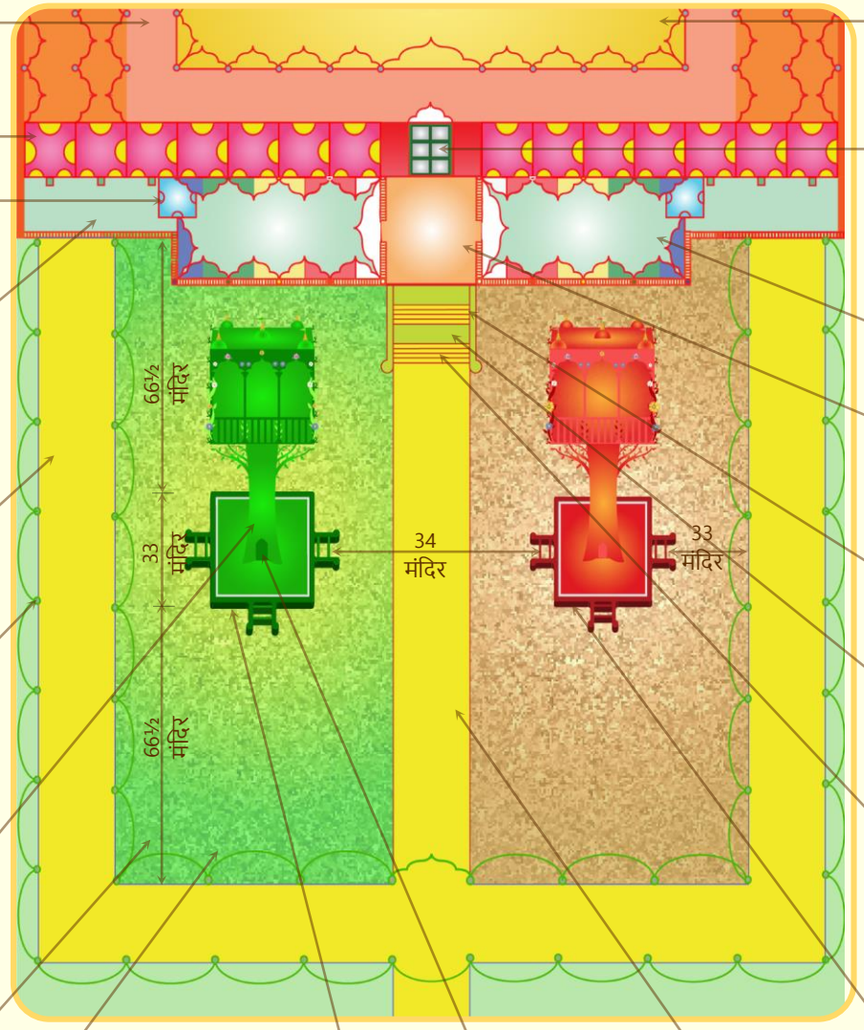


श्री परमधाम के 25 पक्ष की शोभा



धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नक्शा नं. 2 रंगमहल : चाँदनी चौक व 100 सीढ़ियाँ



गली

6000 मंदिरों की बाहरी हार

चौरस गुर्ज

धामरौंस (1 मंदिर चौड़ी, भोमभर ऊँचे चबूतरे पर)

2 मंदिर चौड़ी रौंस (बगीचों की जमीन से कमरभर ऊँची)

अमृत / आम के वृक्ष (चाँदनी चौक की 3 दिशाओं में)

लाल व हरा वृक्ष (2 भोम ऊँचे, तीसरी चाँदनी पर 5 गुम्मट, कलश, ध्वजा, पताका)

चाँदनी चौक (अमृत वन में, 166 मंदिर लम्बा-चौड़ा)

नूरमयी रेती

2 चबूतरे (कमरभर ऊँचे, 33 मंदिर लम्बे-चौड़े)

दरवाजे व सीढ़ियाँ वृक्ष के तनों में)

रौंस/रास्ता (2 मंदिर चौड़ी)

28 थंभ का चौक

धाम दरवाजा (रंगमहल का मुख्य द्वार)

2 चबूतरे (1 सीढ़ी ऊँचे, चौक के दाएं-बाएं)

मध्य का चौक

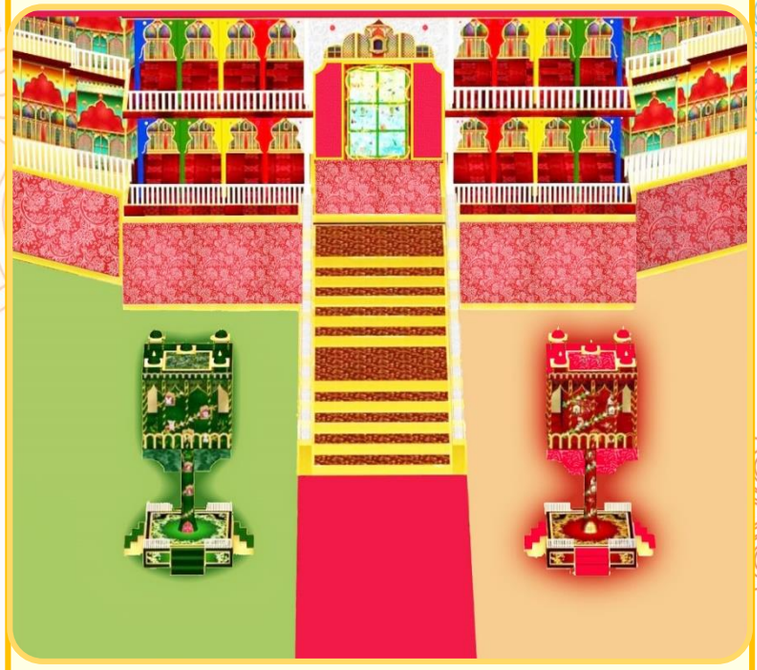
परकोटा (कमरभर ऊँचा, लाल कांगरीयुक्त)

20 चाँदे (5 हाथ चौड़े व 2 मंदिर लम्बे)

100 सीढ़ियाँ (1 हाथ चौड़ी, 1 हाथ ऊँची, 2 मंदिर लम्बी)

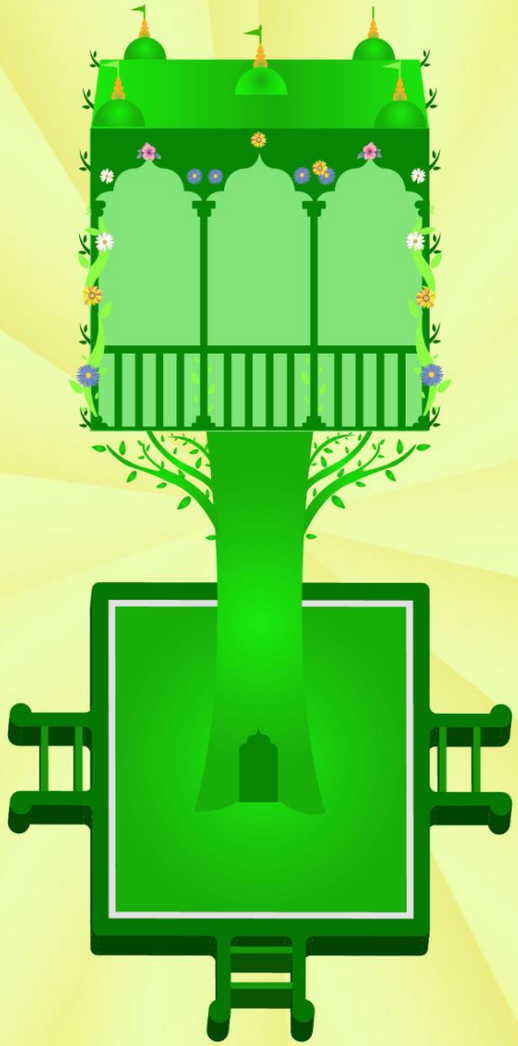
रत्नजड़ित कठेड़ा (चबूतरे की किनार पर)

इन चौक खुली जो चांदनी, आगूं बड़े दरबार ।
उज्जल रेती झलकत, जोत को नाहीं पार ।।



आगूं इन चबूतरों, खेलावत जानवर ।
नए नए रूप रंग ल्यावहीं, अनेक विध हुनर ।।

चाँदनी चौक : हरा वृक्ष (दक्षिण दिशा) व लाल वृक्ष (उत्तर दिशा) की शोभा



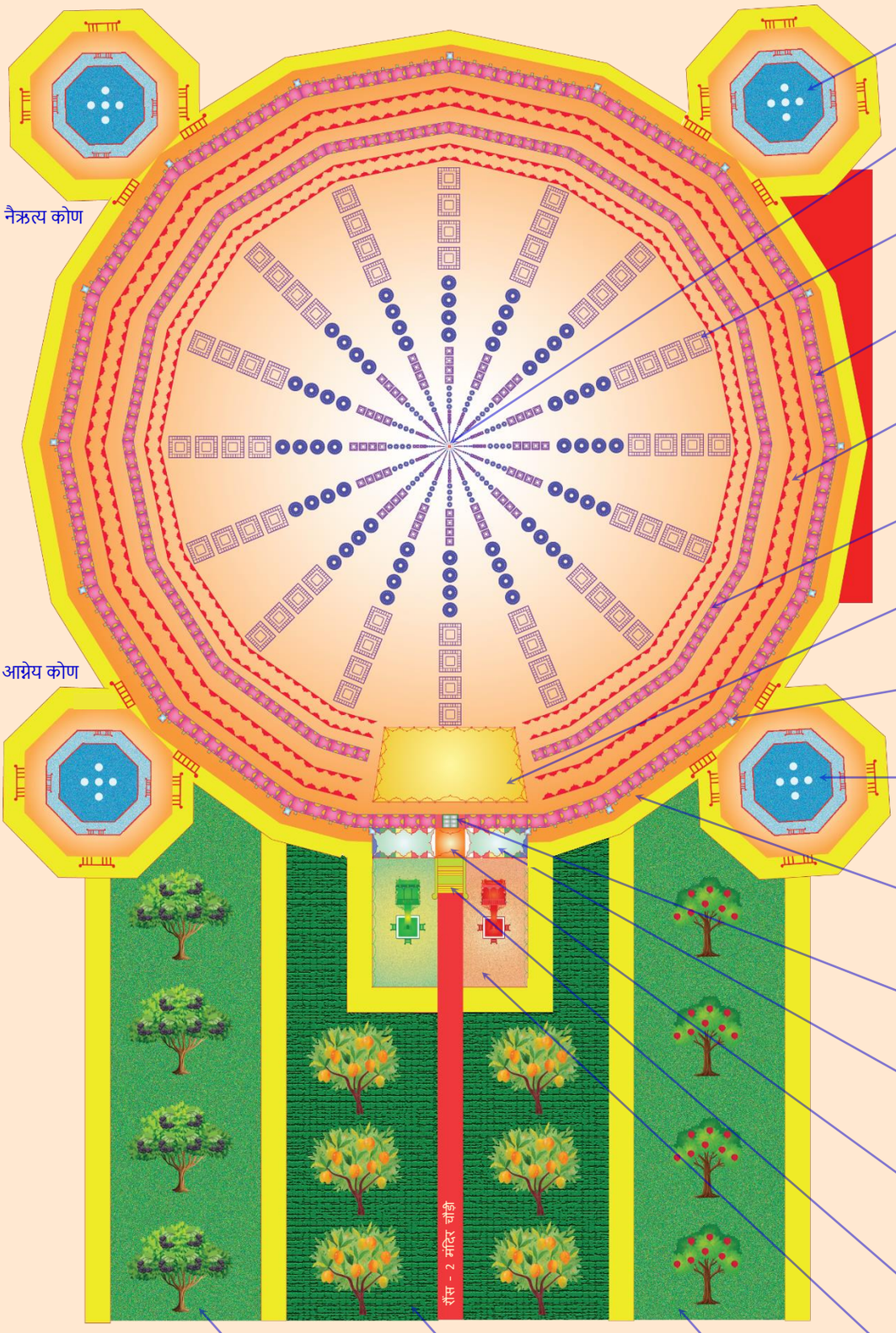


रंगमहल - खड़ा दृश्य



श्री धाम नव भोम है, दसमी है आकाश।
एक हीरा एक रस, चेतन नूर प्रकाश ।।

नक्शा नं. 3 रंगमहल के एक भोम की शोभा



16 हांस का चेहबच्चा
(रंगमहल के वायव्य कोने में)

नौवां फिरावा (4 पंचमहलों का)

क्रमश: 4 चौरस व 4 गोल
हवेलियों के 8 फिरावे

6000 मंदिरों की बाहरी हार

त्रिपोलिया
(2 थम्भों की हारें व 3 गलियाँ)

6000 मंदिरों की भीतरी हार

28 थंभ का चौक

चौरस गुर्ज (66 हाथ लम्बे-चौड़े)

16 हांस का चेहबच्चा
(रंगमहल के ईशान कोने में)

धाम रौंस / परिक्रमा रौंस
(1 मंदिर चौड़ी)

धाम दरवाजा

2 चबूतरे
(4 मंदिर लम्बे व 2 मंदिर चौड़े)

मध्य का चौक
(2 मंदिर लम्बा-चौड़ा)

100 सीढ़ियाँ व 20 चाँदे

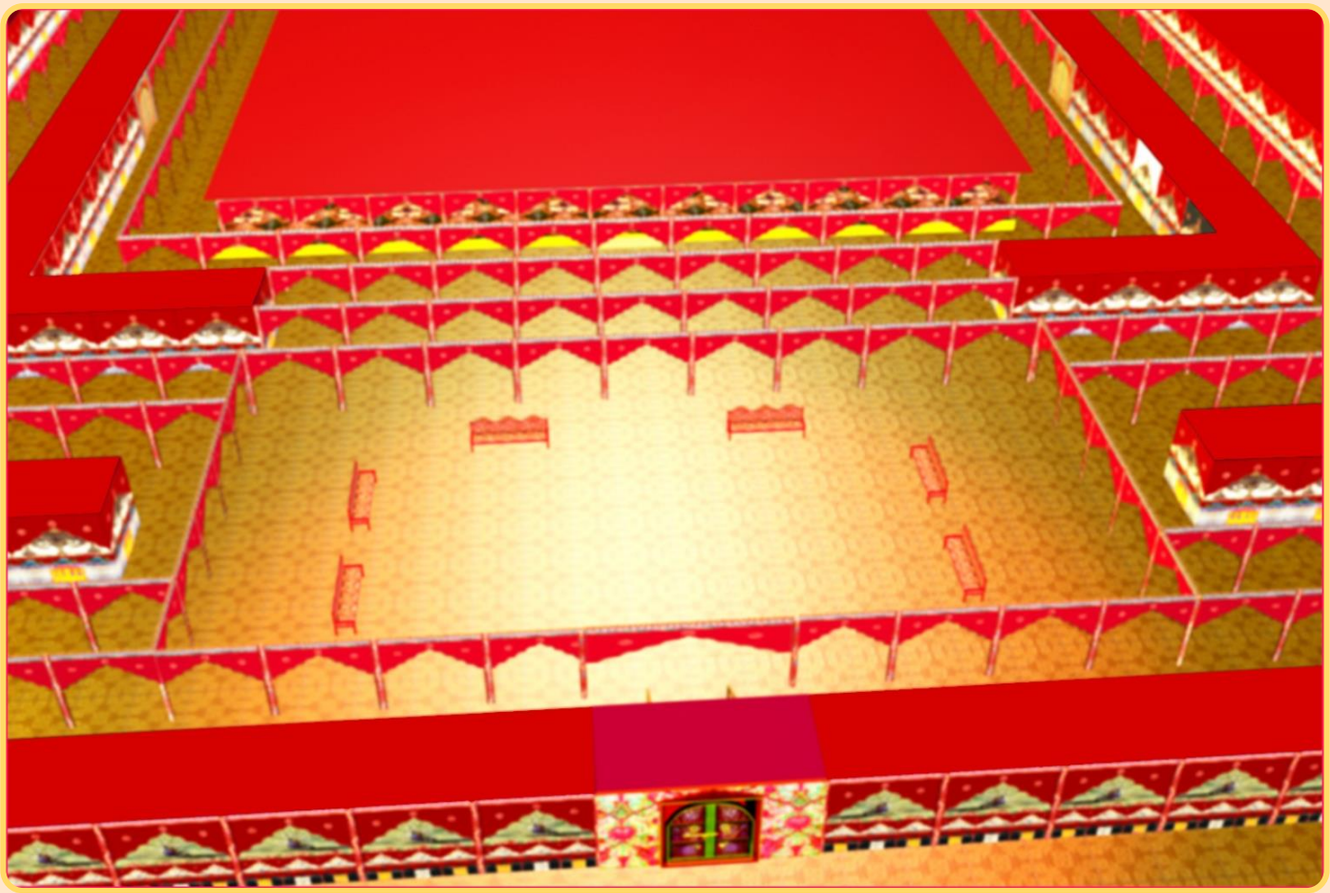
चाँदनी चौक

जाम्बू वन

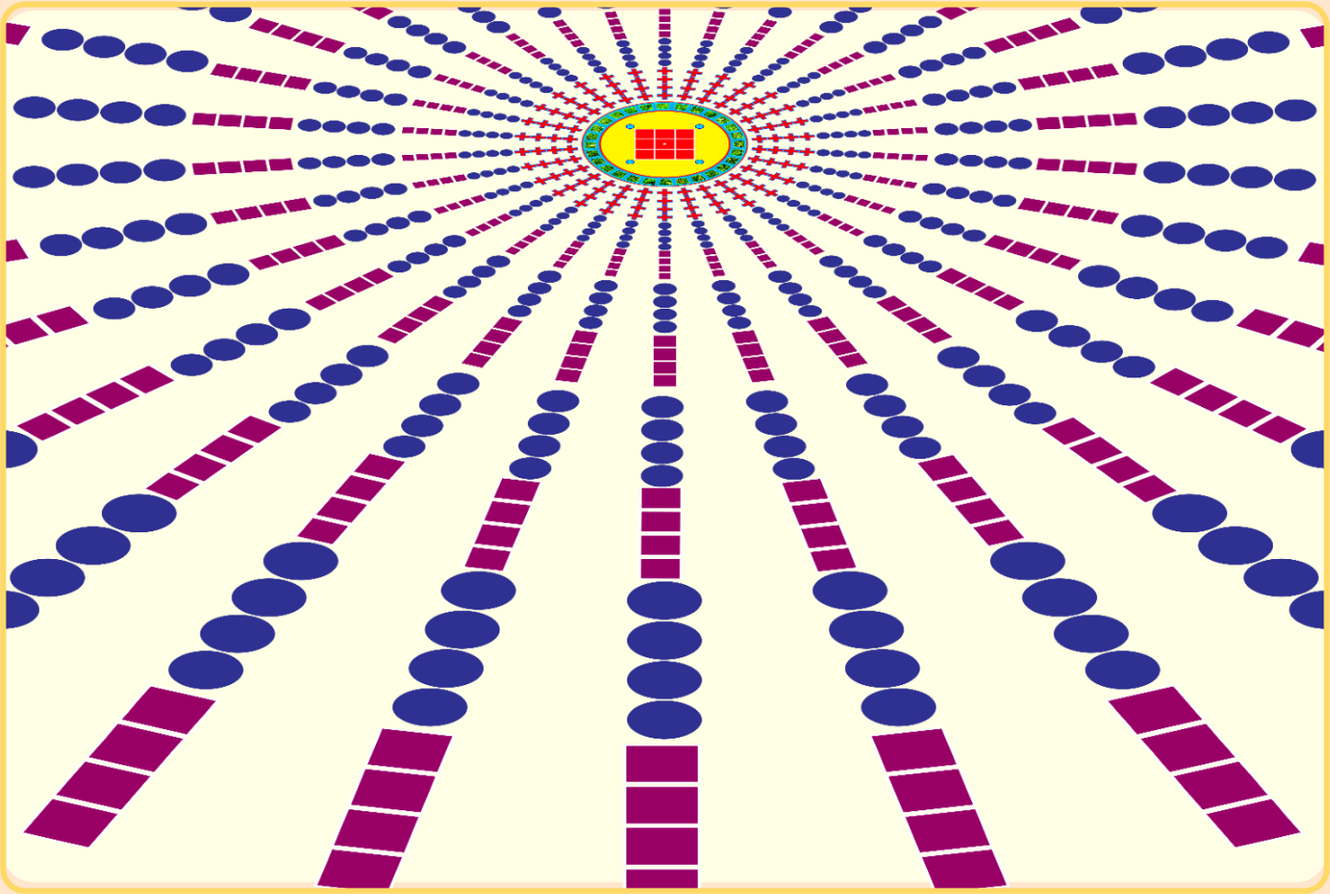
अमृत वन

अनार वन

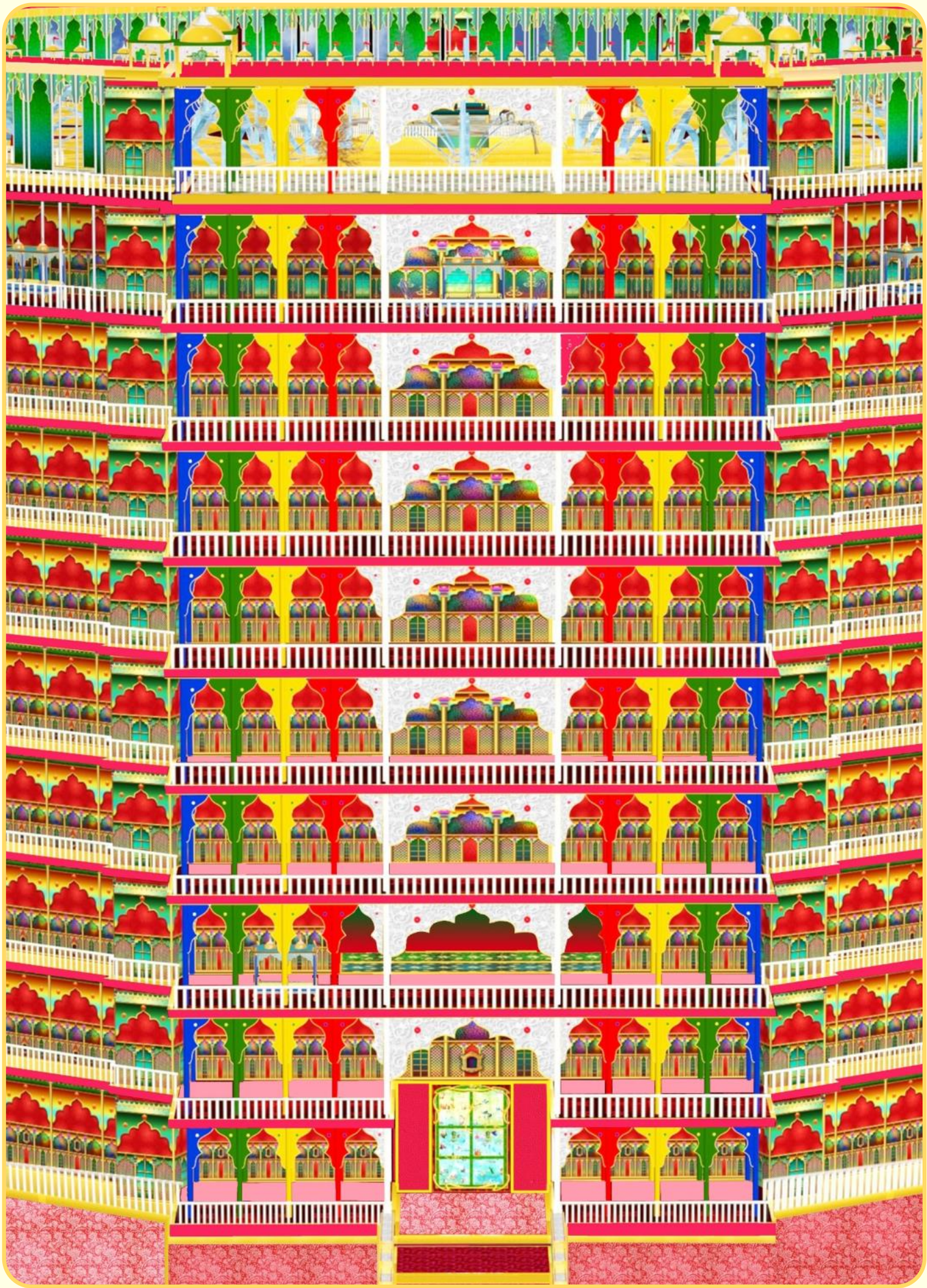
28 थंभ का चौक



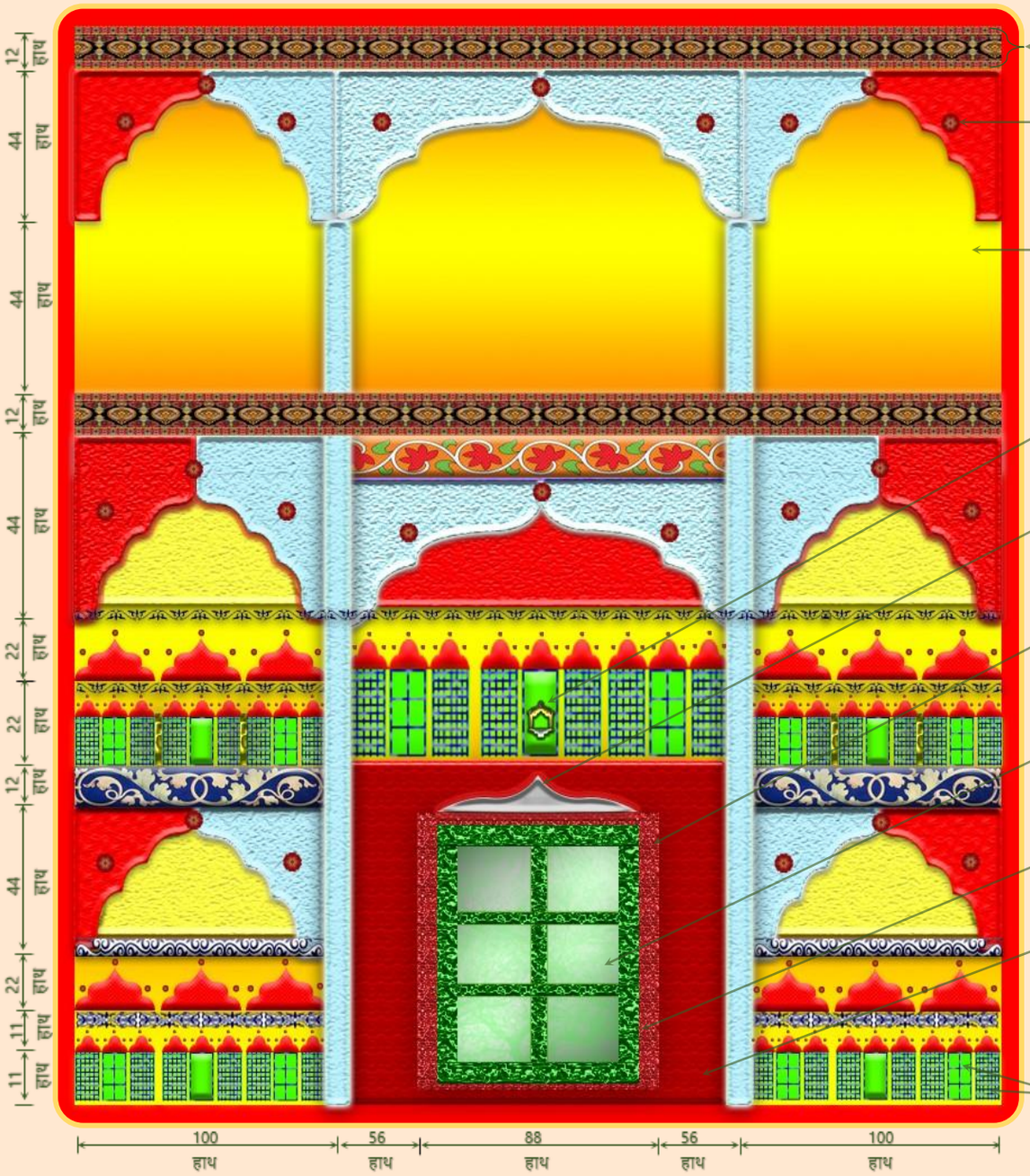
चौरस व गोल हवेलियों के फिरावे



नक्शा नं. 4 रंगमहल : 10 मंदिरों के हांस की बाहरी शोभा

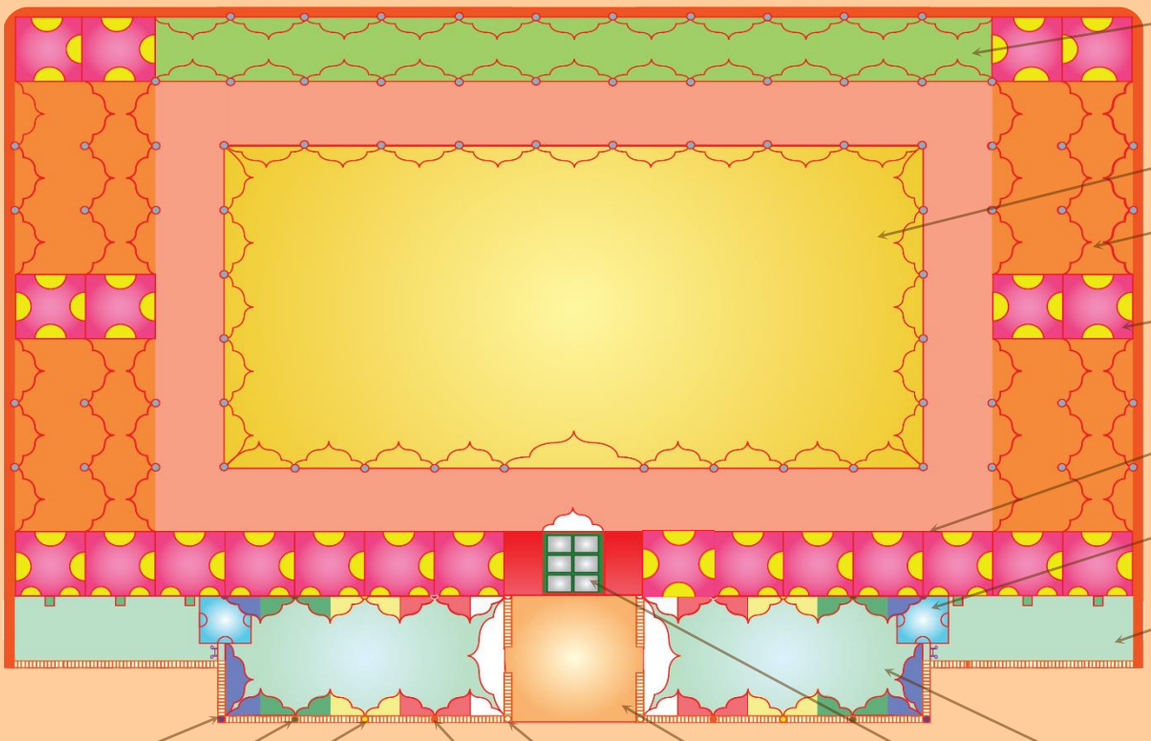


नक्शा नं. 5(अ) रंगमहल : धाम दरवाजे की शोभा



दोऊ कमाड़ रंग दरपन, माहें झलकत सामी बन ।
नंग बेनी पर देत देखाई, ए सोभा कही न जाई ।।

नक्शा नं. 5(ब) रंगमहल : प्रथम भोम के 10 मंदिरों के हांस की भीतरी शोभा



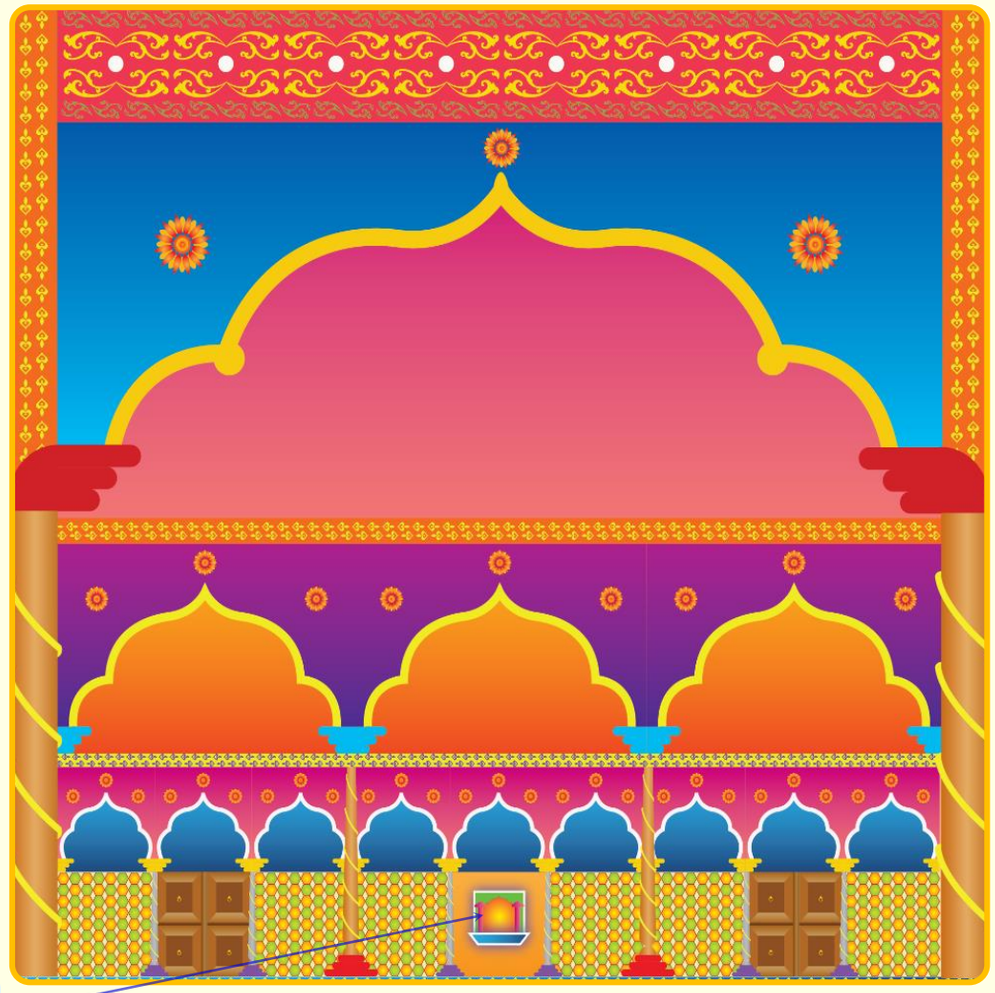


नक्शा नं. 6(अ) रंगमहल : बाहरी हार मंदिरों की बाहरी दीवार की शोभा (पूर्व व दक्षिण दिशा)

(प्रथम भोम)



(दूसरी से आठवीं भोम)

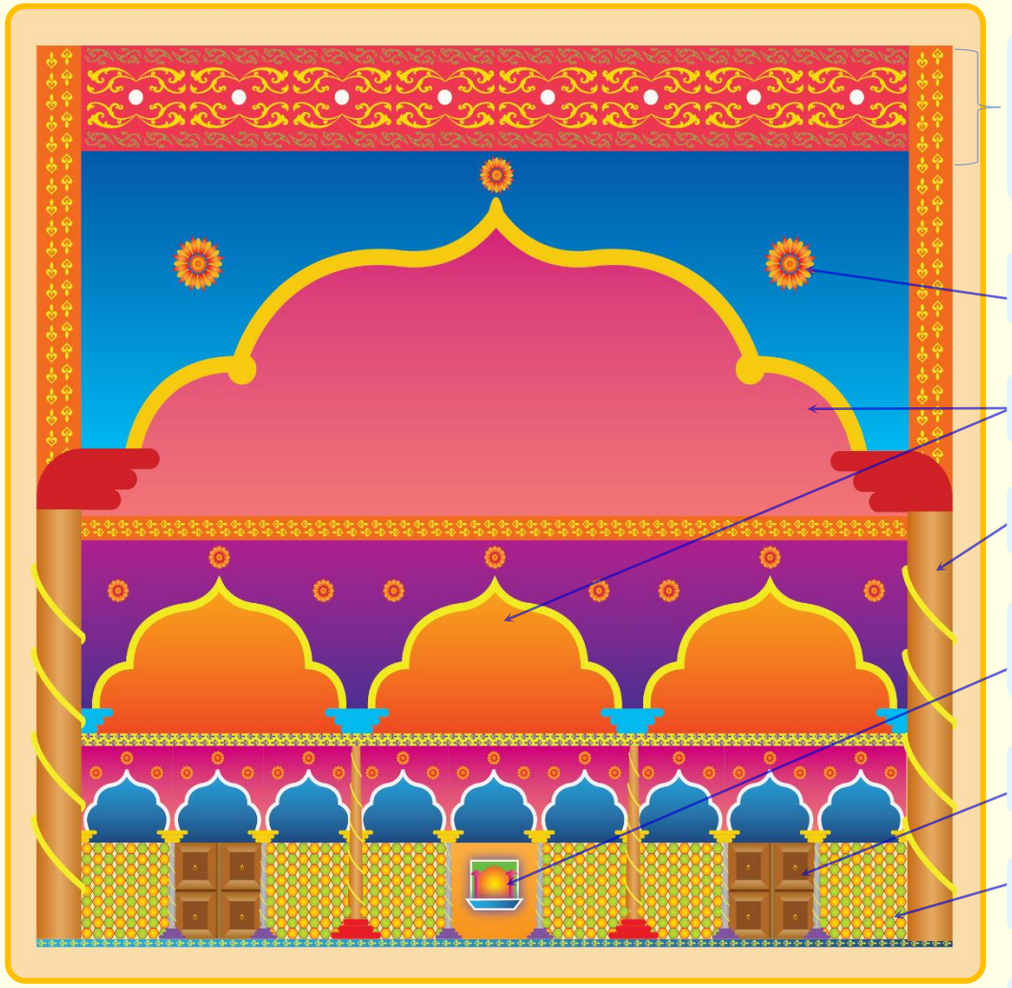


हर मंदिर एक झरोखा, याकी सोभा किन मुख होए।
आए लग्या बन दिवालें, देत मीठी खुसबोए ।।

विध विध के सुख बन में, सैयां खेलें झरोखों माहें।
वाउ ठंढा प्रेमल गरमीय में, सुख लेवें सीतल छाहें।।

नक्शा नं. 6 (ब) रंगमहल : बाहरी हार मंदिरों की बाहरी दीवार की शोभा

प्रथम भोम- पश्चिम दिशा



छज्जा - 1 हाथ,
तख्ता - 1 हाथ,
टुण्डवा - 2 हाथ,
कांगरी - 4 हाथ,
पेसानी - 4 हाथ

माणिक के फूल

अक्शी मेहराबें

अक्शी थंभ

झरोखा
(3 हाथ ऊपर)

2 दरवाजे

जालीदार दीवार

3 दरवाजे

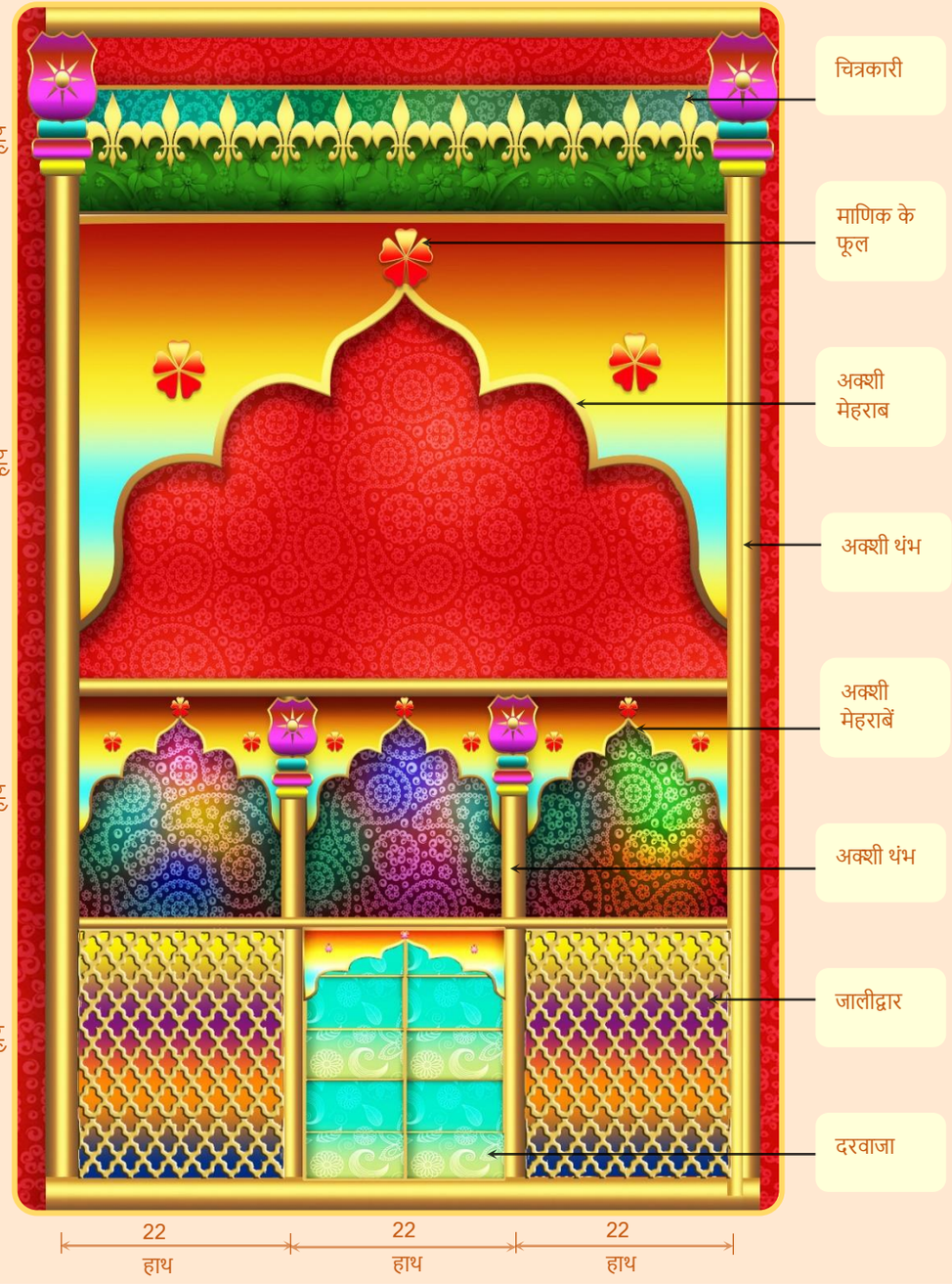
प्रथम भोम- उत्तर दिशा (लाल चबूतरा की हद में)

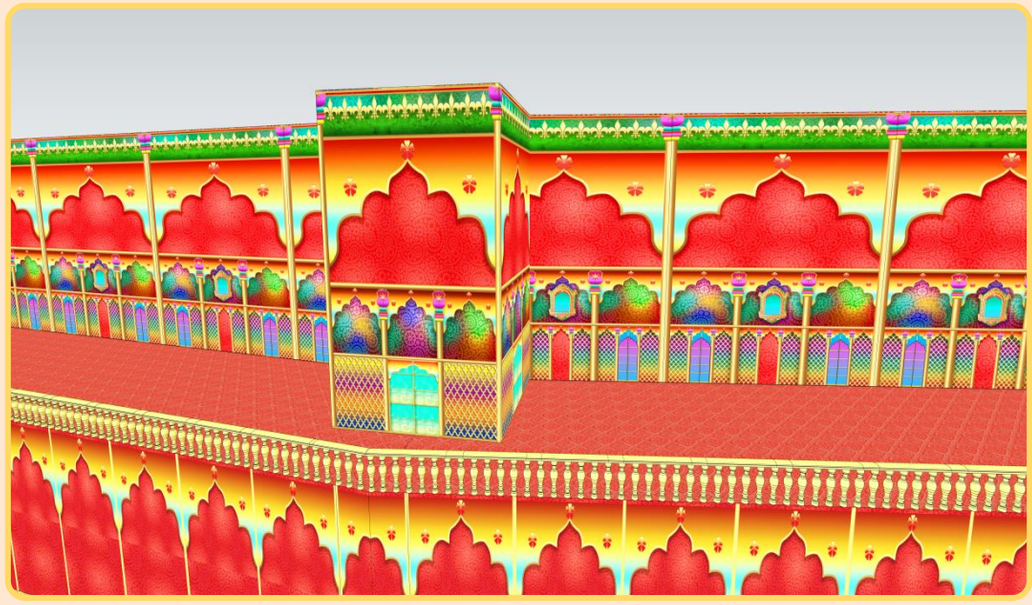


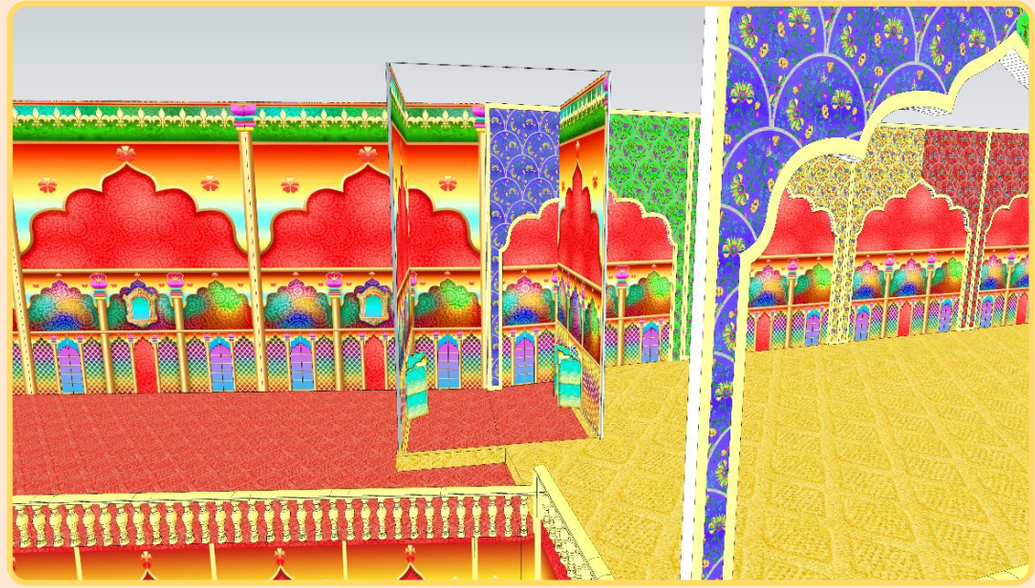
धाम दीवाले लगते, मंदिर डेढ़ हजार।
हर मंदिर एक छज्जा, सो डेढ़ हजार सुमार ।।

ताके द्वार छत्तीस सौ, तीन अन्दर हैं द्वार।
एक दाएं एक बाएं, एक सनमुख देखनहार।।

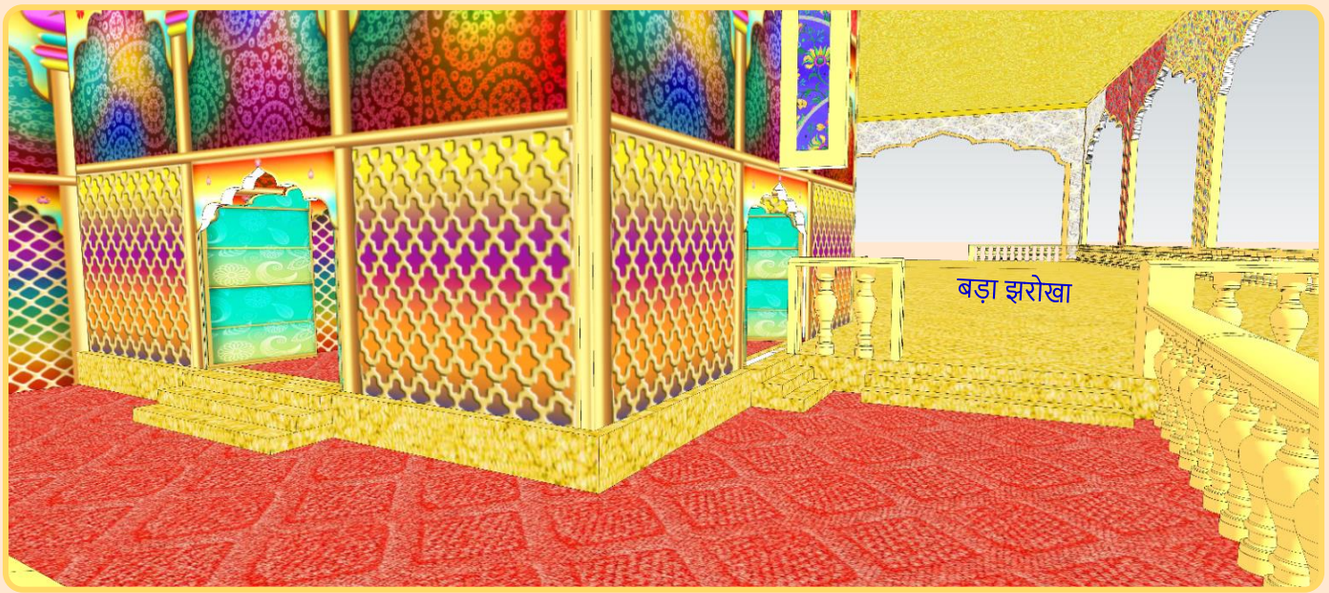
नक्शा नं. 7 रंगमहल : गुर्जों की शोभा (प्रथम भोम)



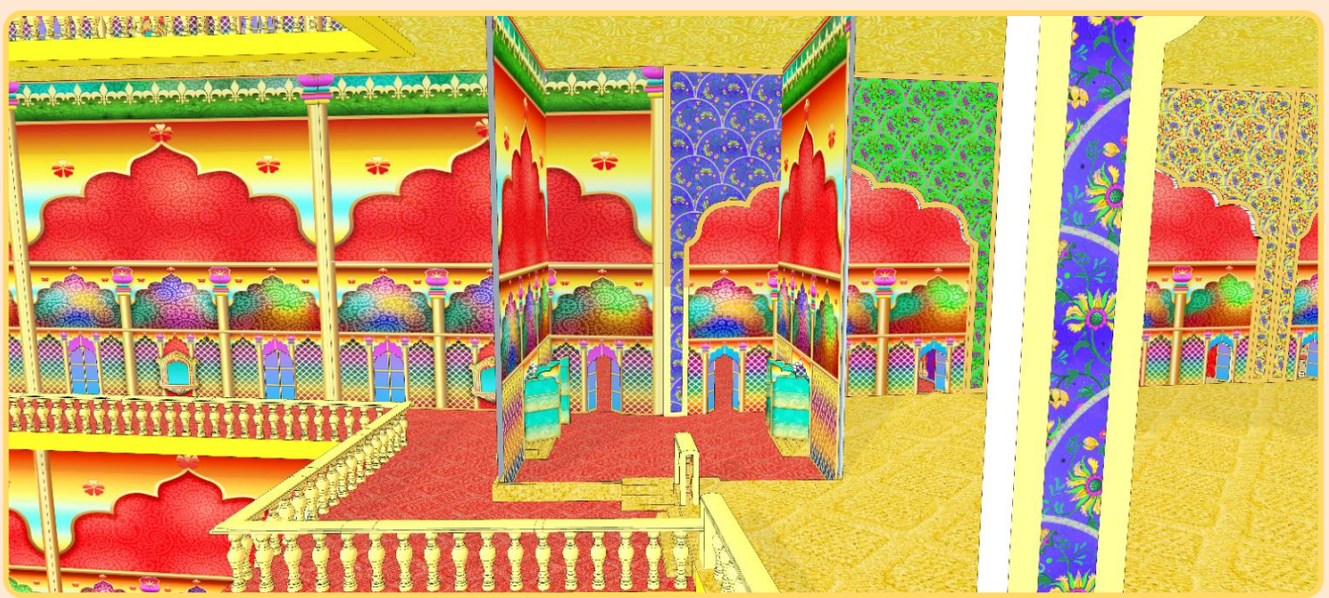




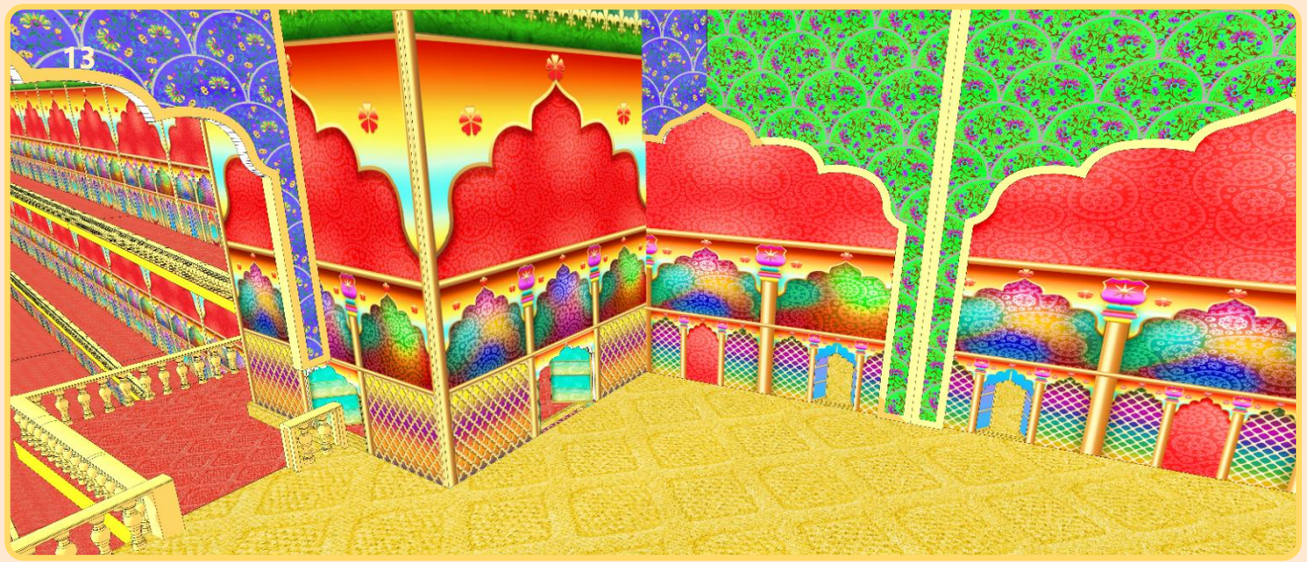
दूसरी भोम के गुर्जों की शोभा (बड़े झरोखों के उत्तर व दक्षिण में)

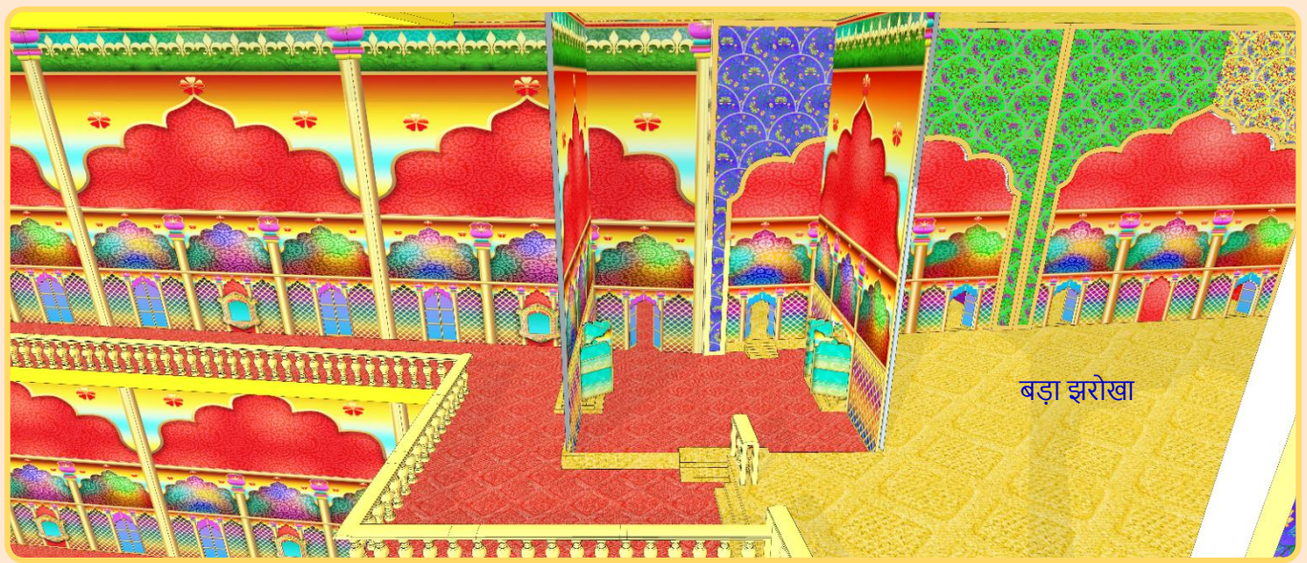






तीसरी भोम के गुर्जों की शोभा (बड़े झरोखों के उत्तर व दक्षिण में)







देखो मोहोलातें नूर की, अंदर सब पूर नूर।
कहां लग कहूं माहें नूर की, नूर के नूर जहूर।।

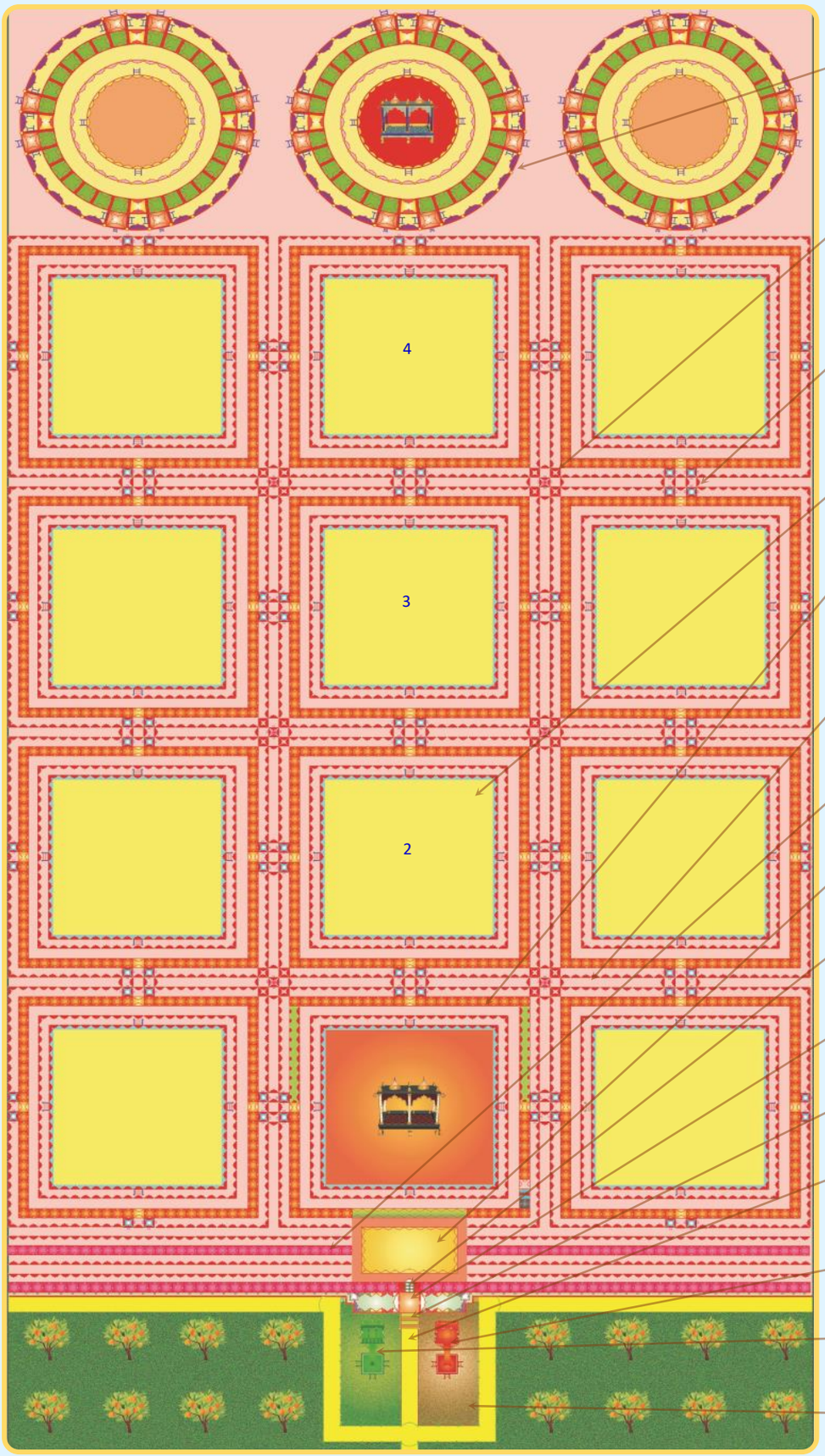


सब चीजें इत नूर की, बिना नूर कछुए नाहिं।
नूर माहें अंदर बाहेर, सब नूर नूर के माहिं।।

रंगमहल के मंदिर की भीतरी शोभा



नक्शा नं. 9 (अ) रंगमहल : चाँदनी चौक से मूलमिलावे तक की शोभा



मूलमिलावा
पाँचवीं गोल हवेली
(4 चौरस हवेलियों के बाद)

24 मेहराबें
(चबूतरे के थंभो पर, प्रत्येक चौरस हवेली के चारों कोनों में)

24 मेहराबें
(4 चबूतरों पर, 2 हवेलियों के दरवाजों के दाएं - बाएं)

दूसरी, तीसरी, चौथी चौरस हवेली

रसोई की हवेली
पहली चौरस हवेली

त्रिपोलिया
(2 थंभों की हार 3 गलियाँ)

6000 मंदिरों की 2 हारें

28 थंभ का चौक

धाम दरवाजा

चौक व दाएं - बाएं 2 चबूतरे

100 सीढ़ियाँ व 20 चाँदे

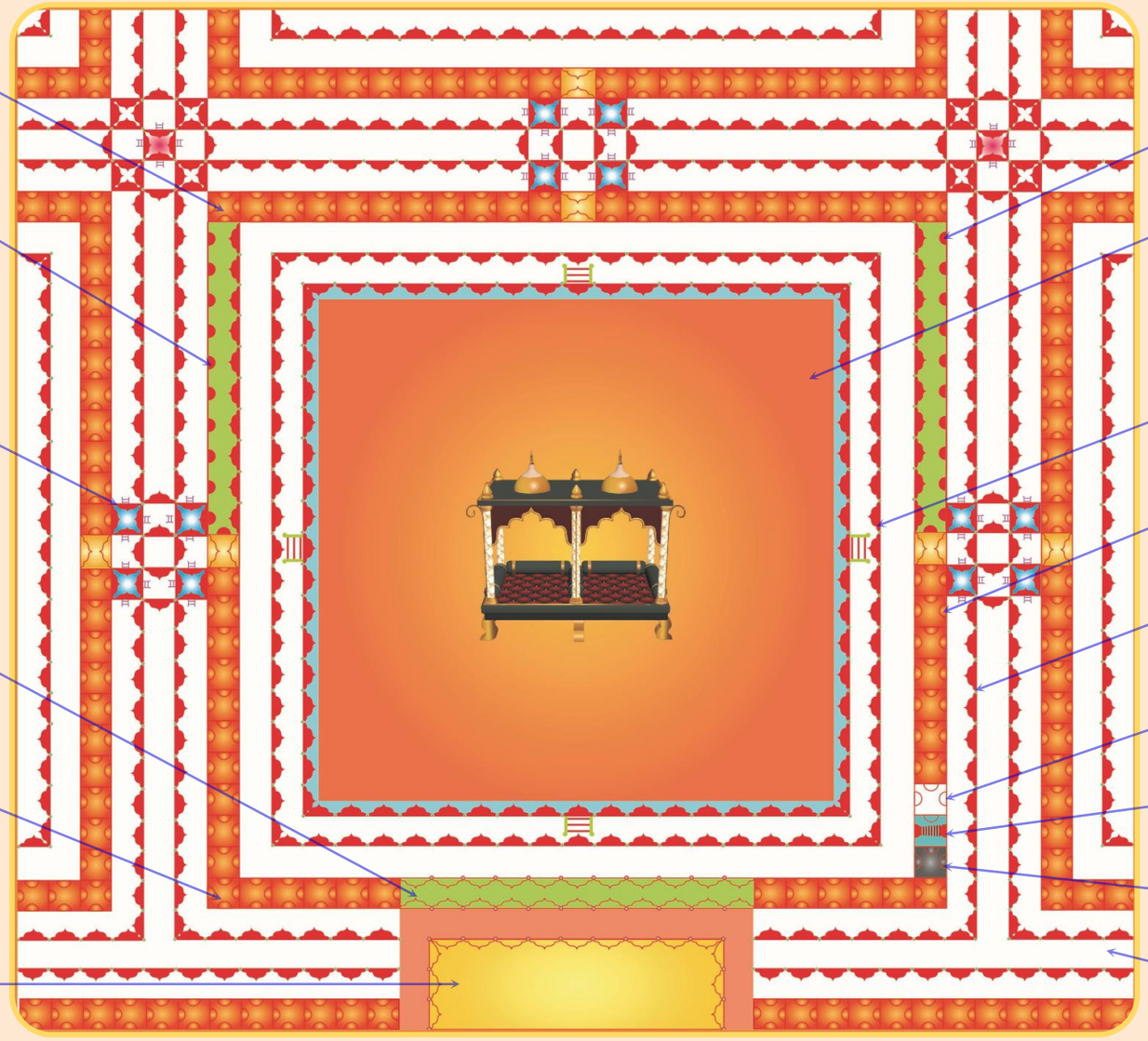
रौंस (2 मंदिर चौड़ी)

लाल रंग (आम)का वृक्ष

हरे रंग (अशोक) का वृक्ष

चाँदनी चौक

नक्शा नं. 9(ब) रंगमहल : प्रथम भोम - रसोई की हवेली



पश्चिम दिशा के मंदिर

देहलान
(10 मंदिर लम्बी व 1 मंदिर चौड़ी) दक्षिण की दीवार में दरवाजे

4 चबूतरे व 24 मेहराबें, हवेली की 3 दिशाओं (दक्षिण, पश्चिम व उत्तर दिशा) में

पूर्व की देहलान
(11 मंदिर लम्बी व 1 मंदिर चौड़ी, 10 थंभों की 2 हारें)

रसोई की हवेली
(23 मंदिर लम्बी-चौड़ी, चारों कोनों के मंदिर मिलाकर)

28 थंभ का चौक

देहलान
(10 मंदिर लम्बी व 1 मंदिर चौड़ी) उत्तर की दीवार में दरवाजे

मध्य का चबूतरा
(कमरभर ऊँचा, दिशाओं में 3 सीढ़ियाँ, किनार पर थंभ व कठेड़ा)

थंभों की दूसरी हार

मंदिरों की हार

थंभों की पहली हार
(हवेली के बाहर)

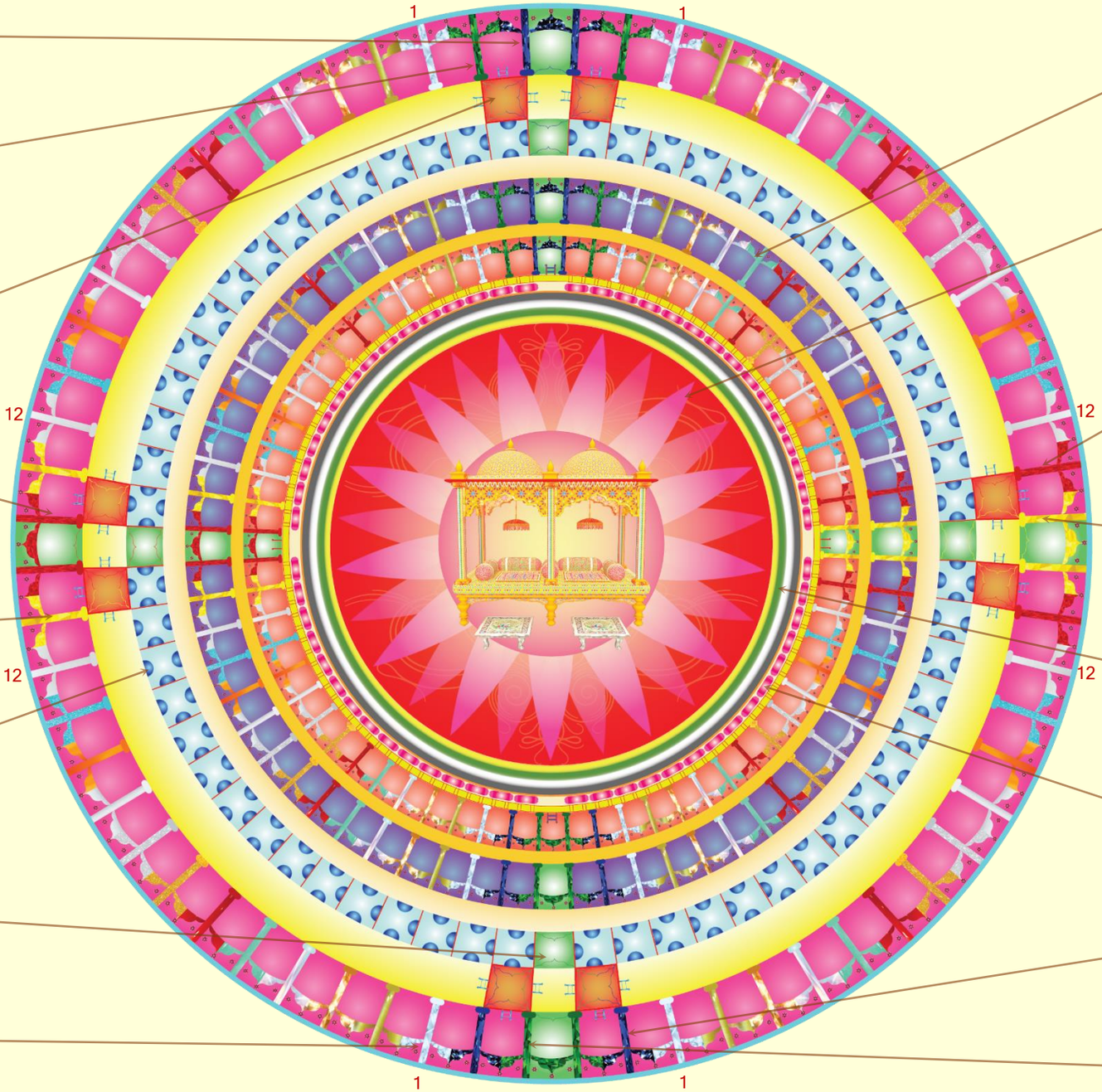
श्वेत मंदिर

सीढ़ियों वाला मंदिर

श्याम मंदिर

त्रिपोलिया

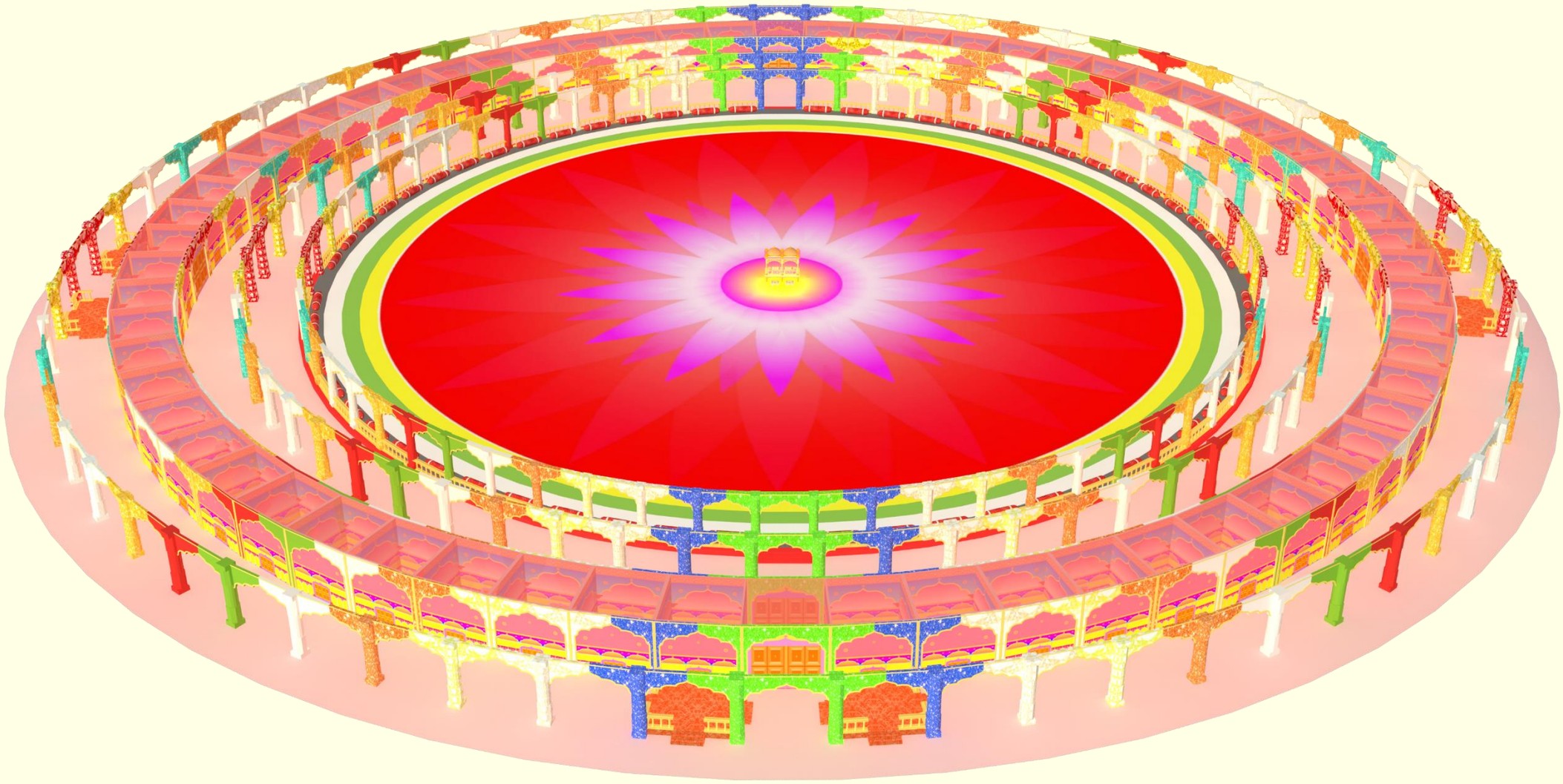
नक्शा नं. 10 रंगमहल : प्रथम भोम – पाँचवी गोल हवेली (मूलमिलावा)

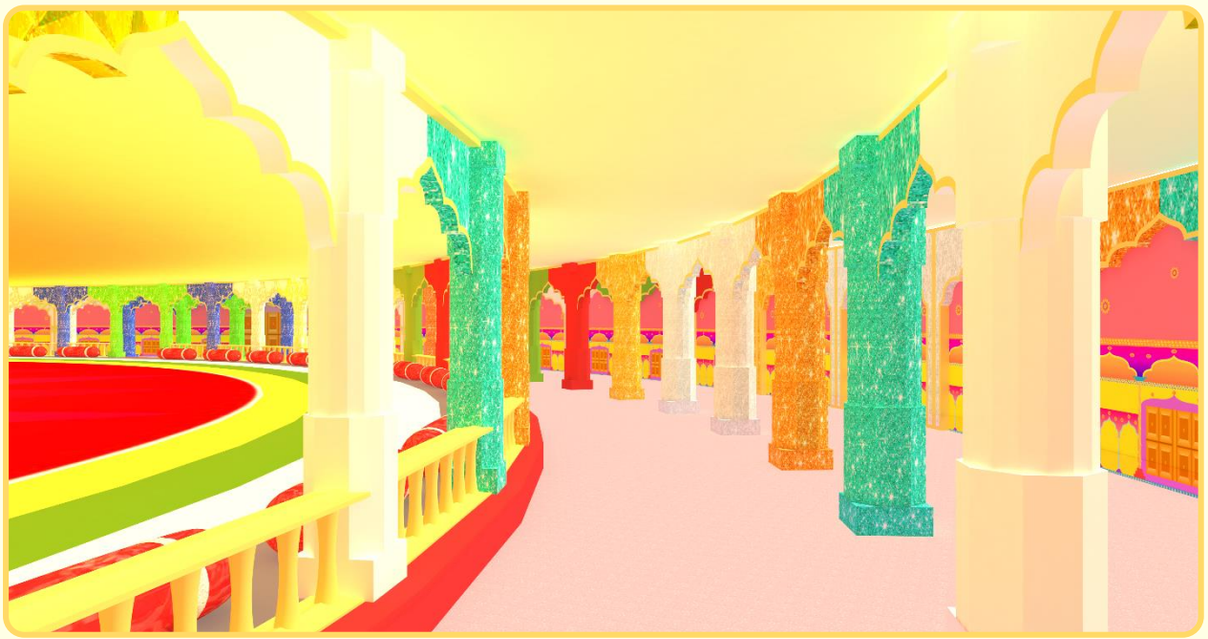


- नीलवी के 2 थंभ
- पाच के 2 थंभ
- दो चबूतरे (कमरभर ऊँचे, दिशा के दरवाजों के दाएं-बाएं)
- माणिक के 2 थंभ
- पुखराज के 2 थंभ
- 60 मंदिर व दरवाजें
- पूर्व दिशा का दरवाजा
- 64 थंभों की पहली (बाहरी) हार
- 64 थंभों की दूसरी हार
- मध्य का चबूतरा (कमरभर ऊँचा, किनार पर 64 थंभ व कठेड़ा)
- माणिक के 2 थंभ
- पुखराज के 2 थंभ
- 4 डोरियाँ (गिलम की किनार पर)
- लाल तकिये
- नीलवी के 2 थंभ
- पाच के 2 थंभ

12 थंभ (चारों खाँचों में) क्रमशः 1) हीरा 2) लसनिया 3) गोमादिक 4) मोती 5) पन्ना 6) प्रवाल 7) हेम 8) चांदी 9) नूर 10) कंचन 11) पिरोजा 12) कपूरिया

रंगमहल : पाँचवीं गोल हवेली – मूलमिलावे की शोभा









नं. 11(अ) श्री राज जी का श्रृंगार


पाग


बाजूबंध


पाँच हार


कड़ा


पोहोंची


पन्ना की अंगूठी


नीलवी


लहसुनिया


पुखराज


पाच


हीरा


मोती


माणिक


गोमादिक


छल्ला


कुंडल व बेसर


झांझर


घूंघर


कांबी


कड़ा

नं. 11(ब) श्री श्यामा जी का श्रृंगार


श्रृंगार पट्टी


राखड़ी


बेनी श्रृंगार


नथ, मुरली


पानड़ी


कंठसरी


चीड़ का हार


चम्पकली


बाजूबंध


कंकनी


नवचूड़


नवघड़ी


कड़ा


पंचांगला (पोहोंची)


कमरबंध


बिछिया

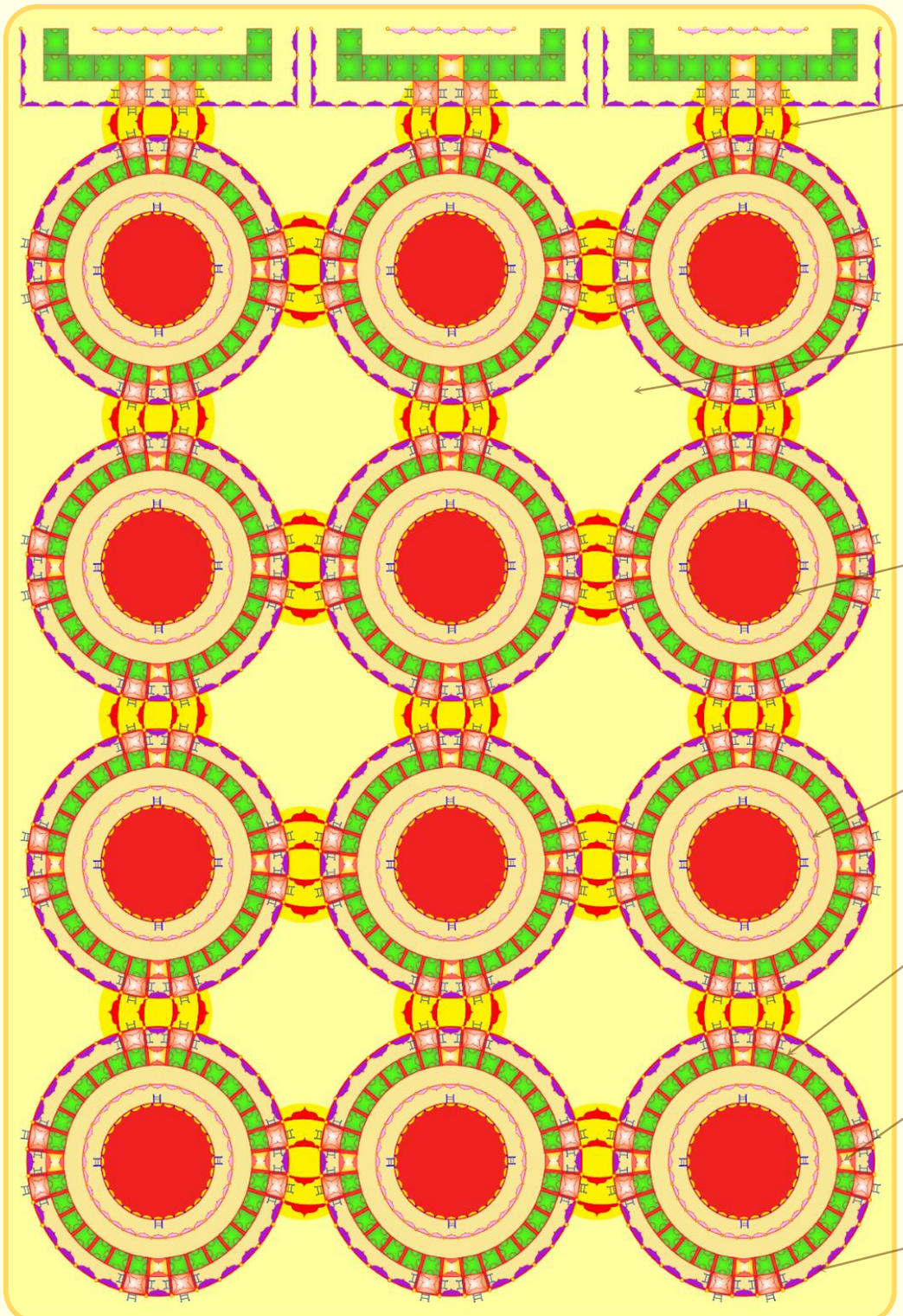

बिछिया


बिछिया


बिछिया


अनवट (आरसी)

नक्शा नं. 12 रंगमहल : गोल हवेलियों के एक फिरावे की शोभा



2 हवेलियों के दरवाजों के दाएं - बाएं 4 चबूतरों पर 24 मेहराबें

4 गोल हवेलियों के कोनों में चौक

मध्य का चबूतरा (कमरभर ऊँचा, किनार पर 64 थंभों की तीसरी हार)

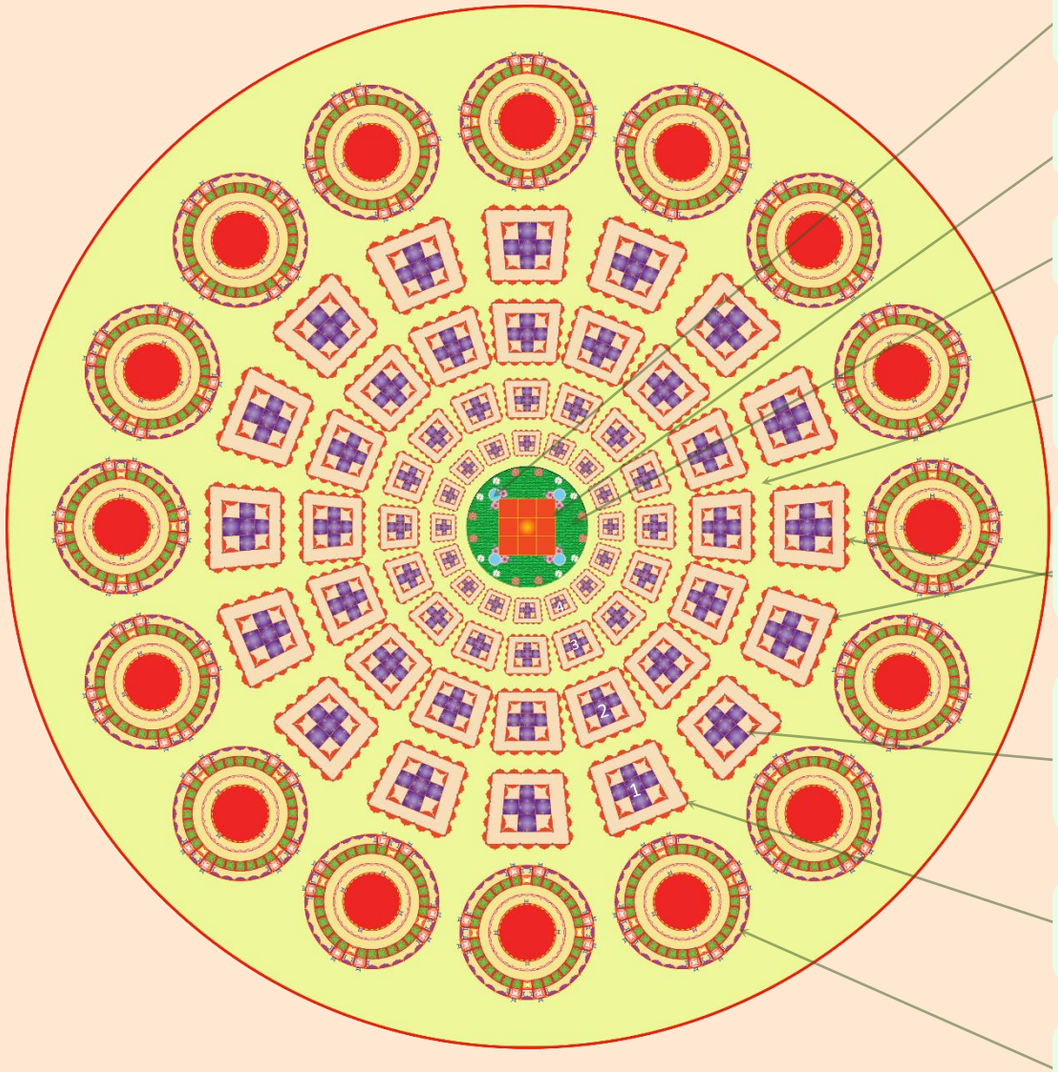
64 थंभों की दूसरी हार

60 मंदिरों की हार

मुख्य दरवाजा

64 थंभों की पहली हार

नक्शा नं. 13 रंगमहल : प्रथम भोम - पंचमहलों की शोभा



पानी के स्तून
(चौक के चारों कोनों में)

मध्य के 9 चौक

फुलवारी (28 मंदिर में)

त्रिपोलिये
(पंचमहल के चारों तरफ)

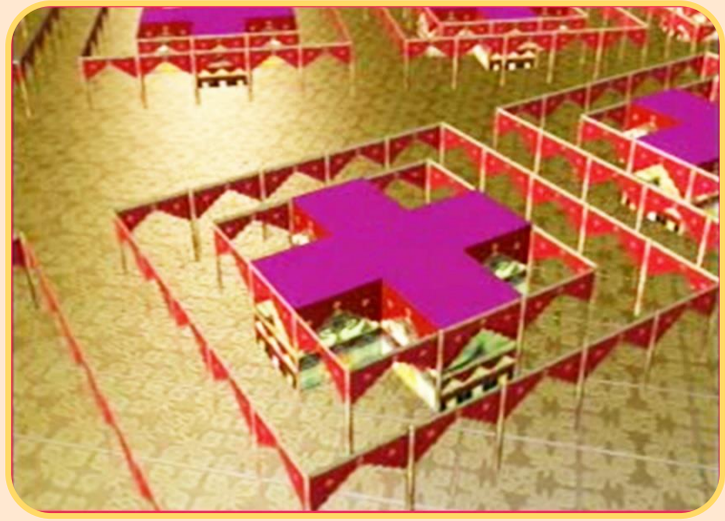
24 थंभ
(एक पंचमहल के चारों तरफ)

1 पंचमहल में कुल 5 मंदिर,
1 मंदिर मध्य में,
4 मंदिर दिशाओं में

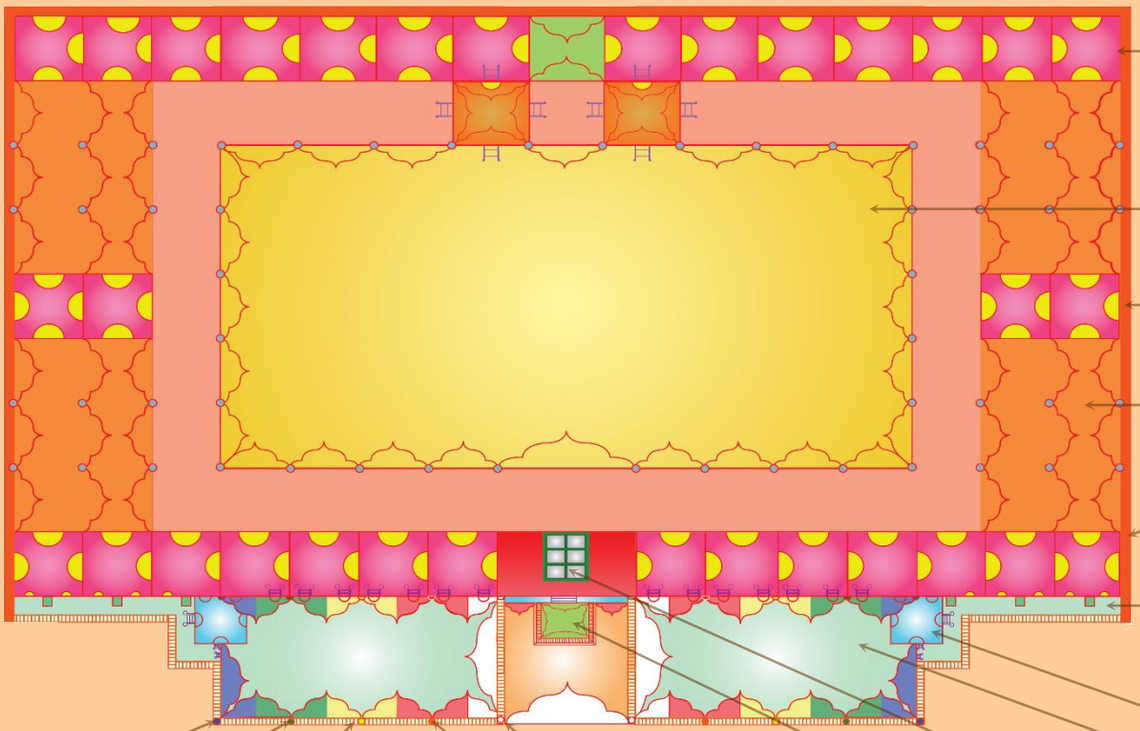
पंचमहल (4 हारें)

8वें फिरावें की गोल हवेलियों की अंतिम हार



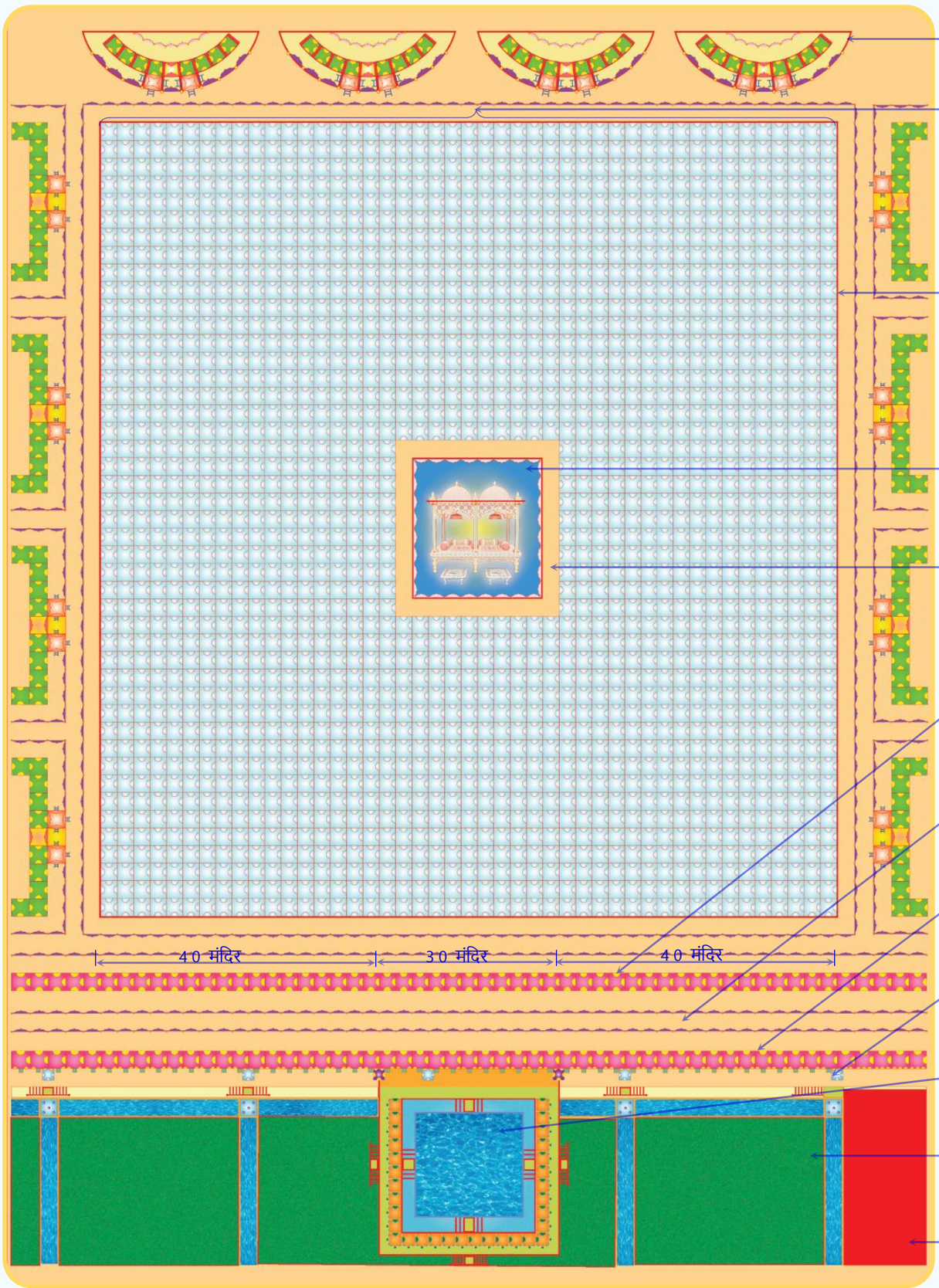


नक्शा नं. 14 रंगमहल : दूसरी भोम के 10 मंदिरों के हांस की शोभा

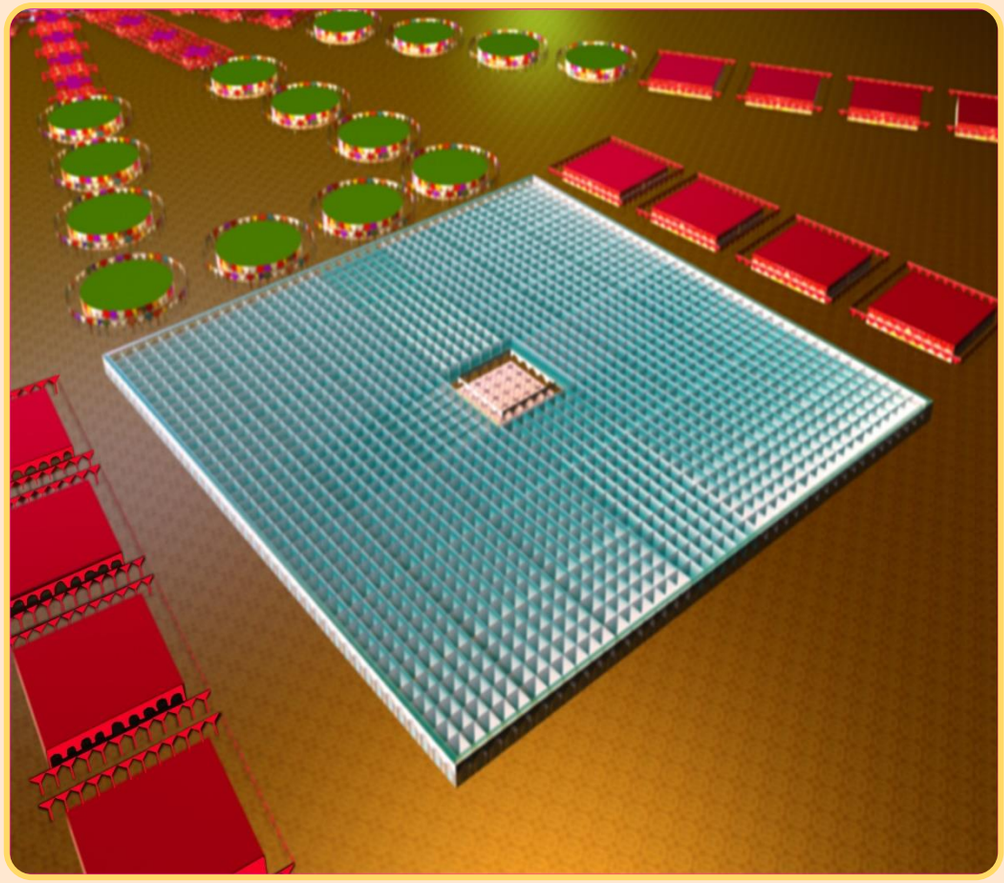




नक्शा नं. 15 रंगमहल : दूसरी भोम - भुलवनी के मंदिर

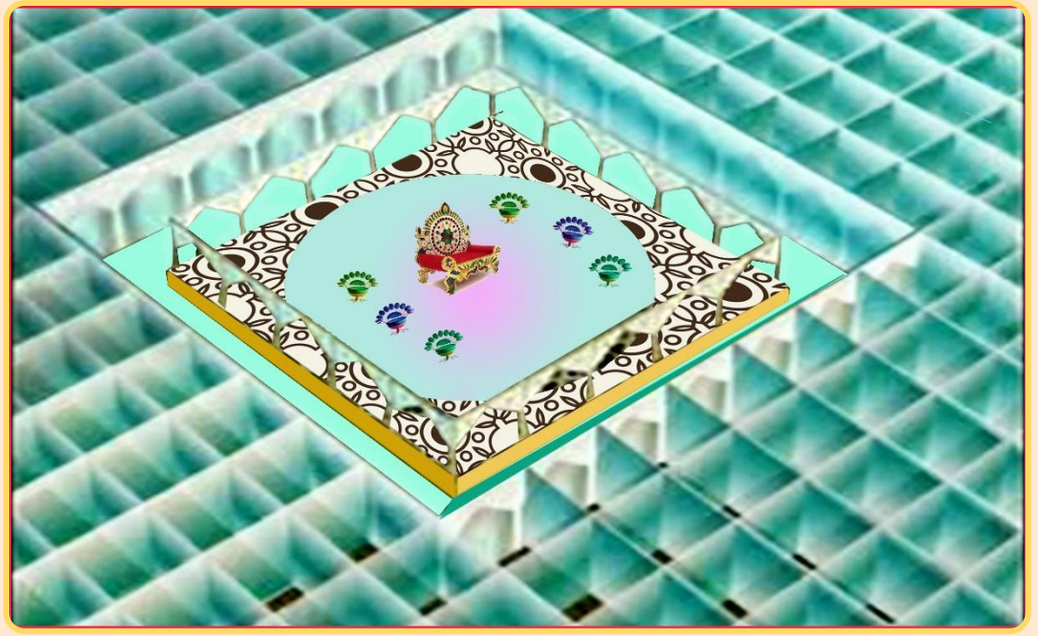


नूर सरूप सब नूर के, ले नूर दौड़ें बारे हजार ।
बारे हजार नूर मंदिरों, नूर झलकारों झलकार ।।

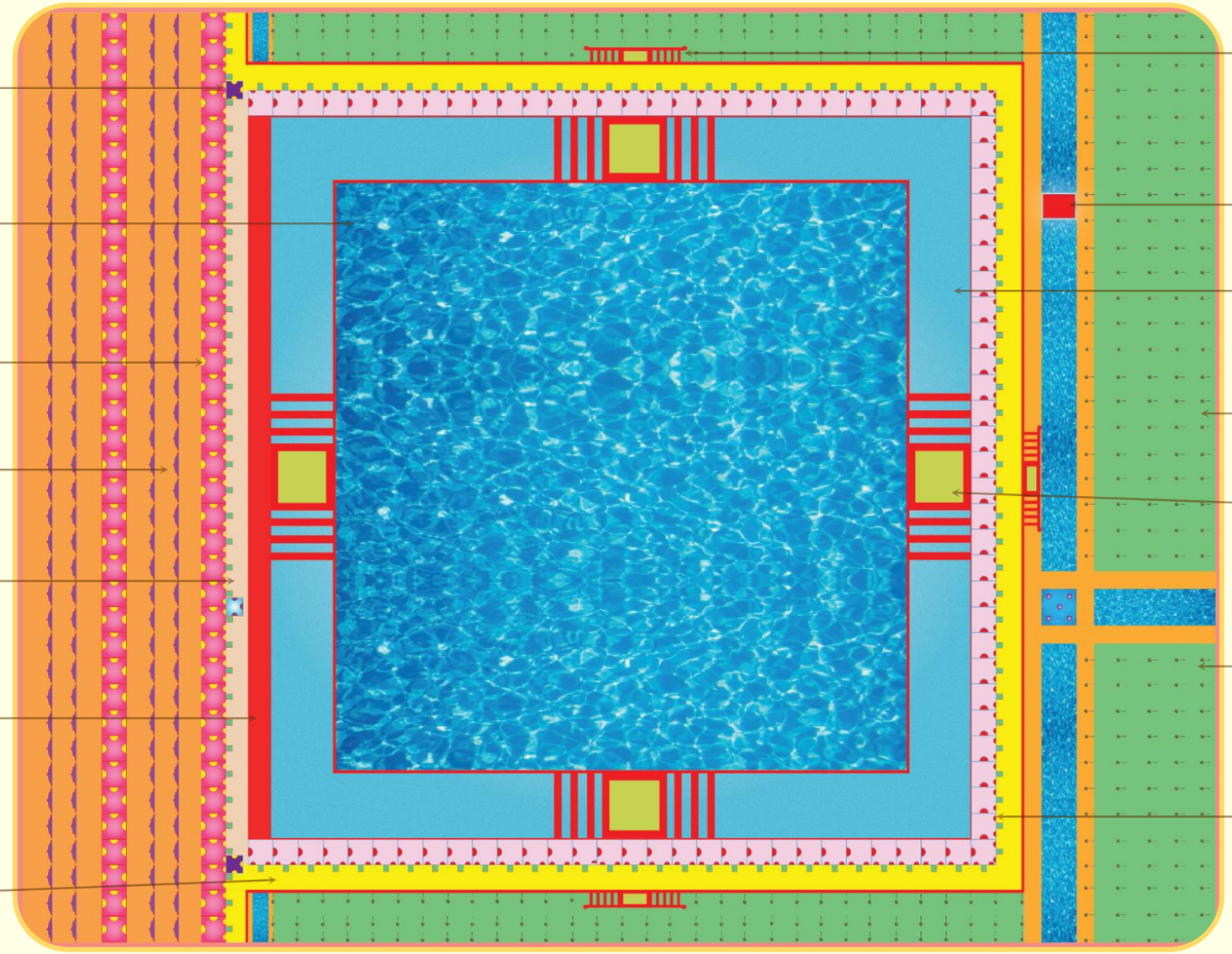


इन ठौर खेल रूह के, बोहोत भई भुलवन ।
होत हाँसी इत खेलते, रंग रस बढ़त रूहन ।।





नक्शा नं. 16 रंगमहल : दूसरी भोम – खड़ोकली



खड़ोकली के 2 गुर्ज (1 भोम ऊँचे)

खड़ोकली (ताड़वन के दूसरे व तीसरे बगीचे में) 30 मंदिर लम्बी-चौड़ी 3 भोम गहरी)

6000 मंदिरों की बाहरी हार

त्रिपोलिया

छज्जा / पुल (1 मंदिर चौड़ा)

दीवार (1 मंदिर मोटी, खड़ोकली के दक्षिण में)

रौंस (1 मंदिर चौड़ी, खड़ोकली की 3 दिशाओं में)

भोमभर सीढ़ियाँ व चाँदे (ताड़वन के बगीचे में)

पुल

जल चबूतरा

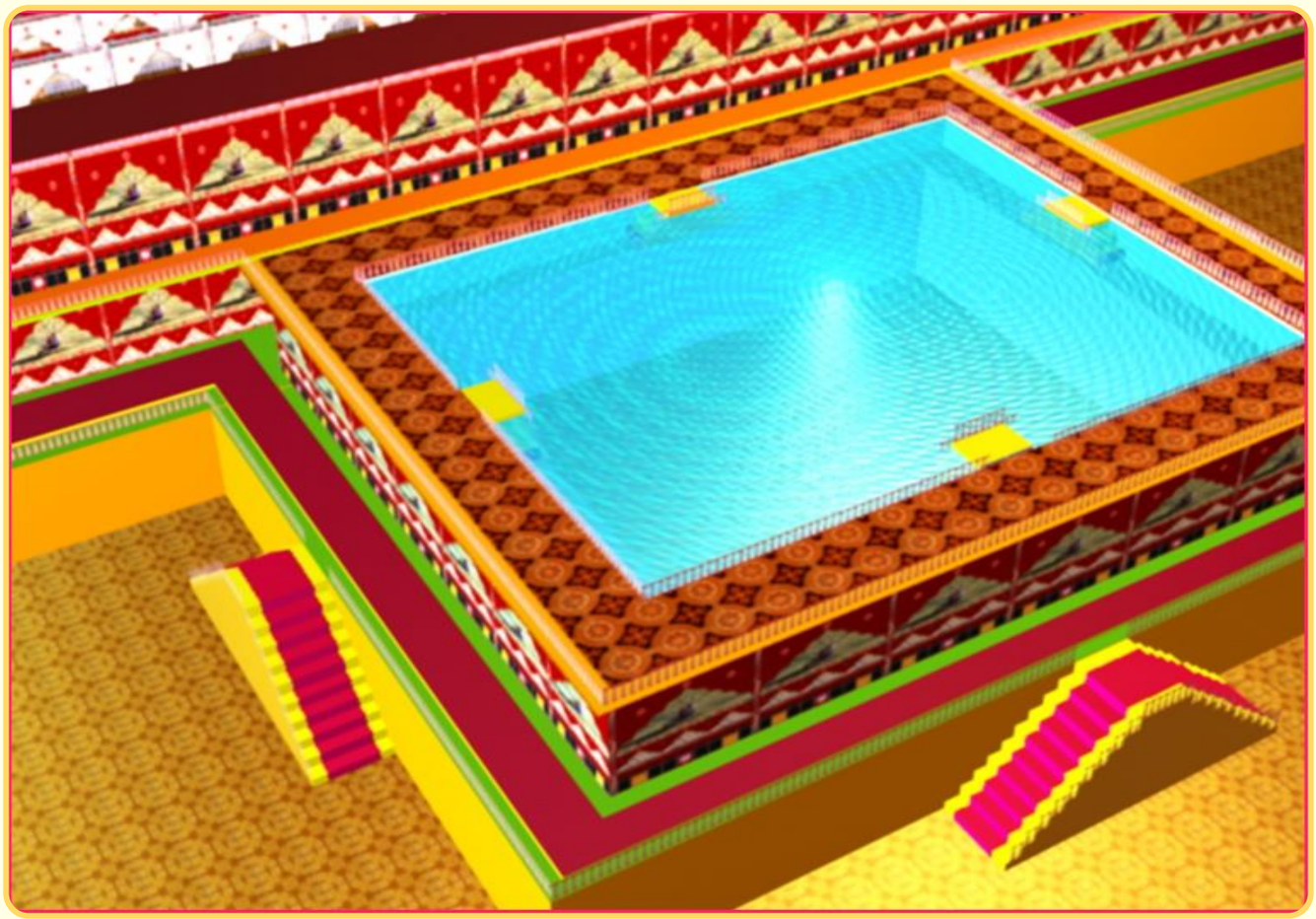
ताड़वन का दूसरा बगीचा

3 सीढ़ियाँ व चाँदे (जल चबूतरे पर)

ताड़वन का तीसरा बगीचा

88 मंदिर (भोमभर ऊँचे चबूतरे पर) भीतर की ओर दीवार तथा बाहर की ओर 2 दरवाजे व 1 झरोखा

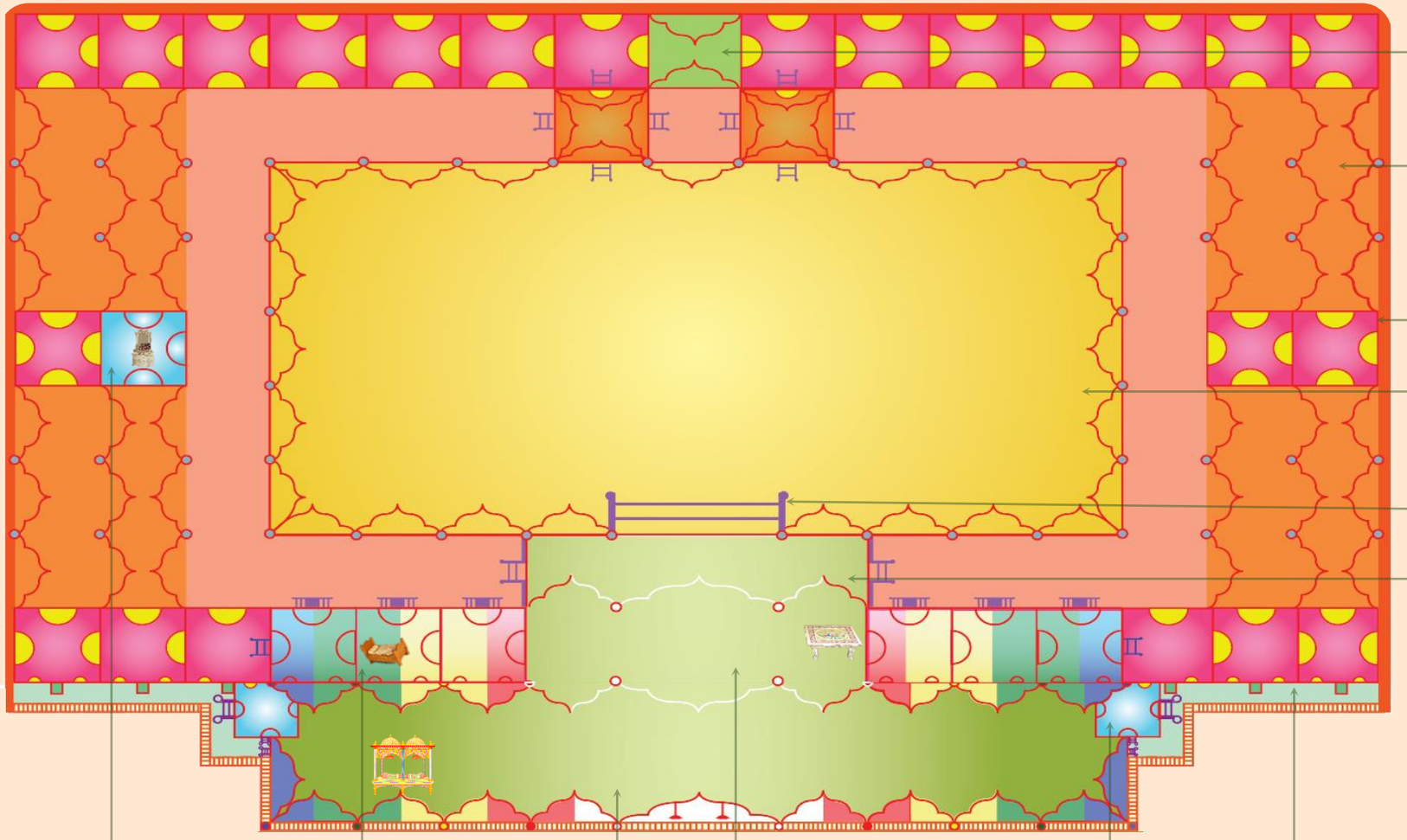
खड़ोकली की शोभा



खड़ोकली ताड़वन के बगीचों में



नक्शा नं. 17 रंगमहल : तीसरी भोम (पड़साल) की शोभा



पहली चौरस हवेली का पूर्व का दरवाजा

त्रिपोलिया

6000 मंदिरों की दूसरी हार

28 थंभ का चौक

3 सीढ़ियाँ

4 मंदिर का लम्बा चबूतरा (एक मंदिर चौड़ा, कमरभर ऊँचा)

आसमानी मंदिर

नीला-पीला मंदिर

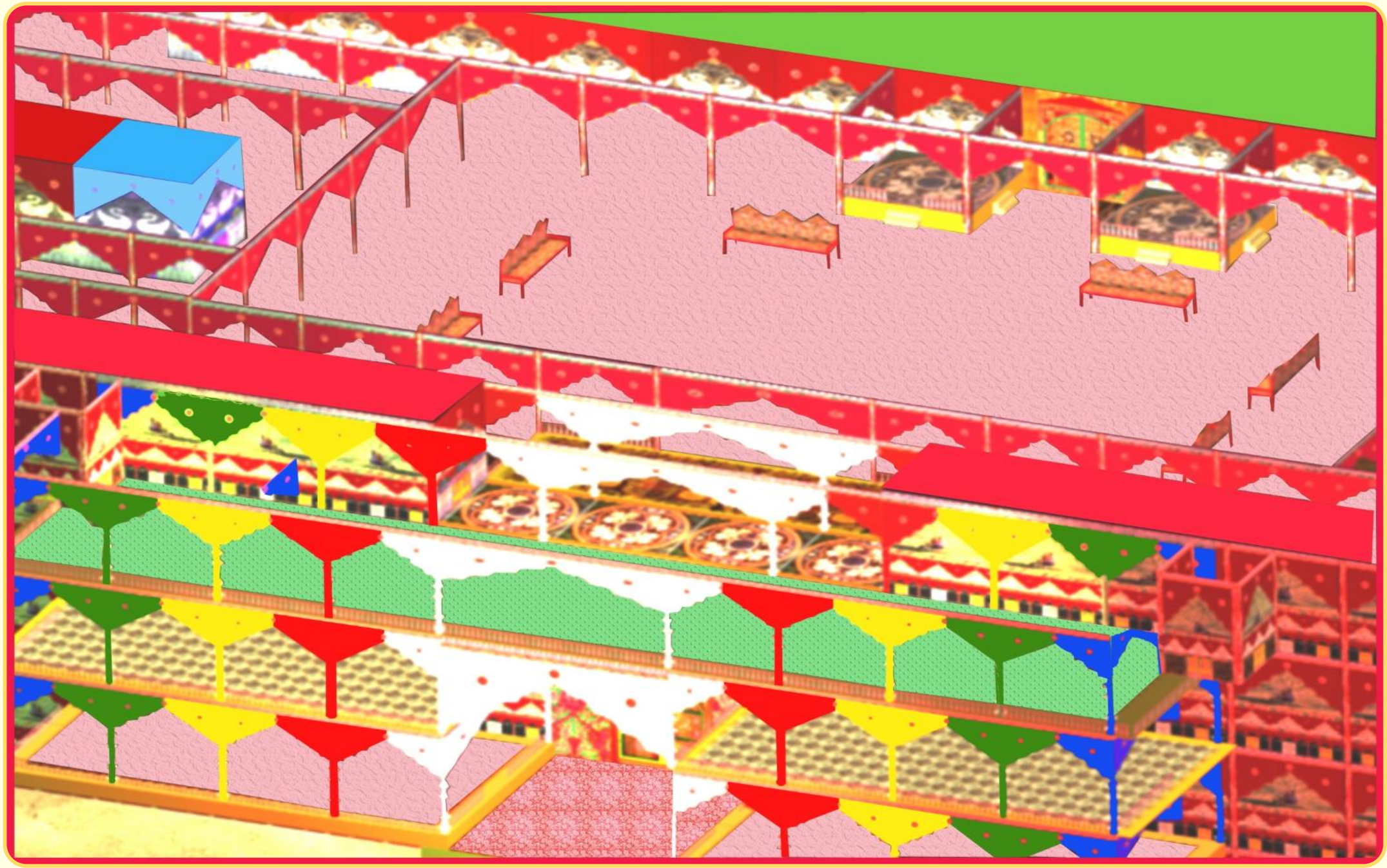
पड़साल (10 मंदिर लम्बी व 2 मंदिर चौड़ी)

देहलान (4 मंदिर लम्बी व 1 मंदिर चौड़ी)

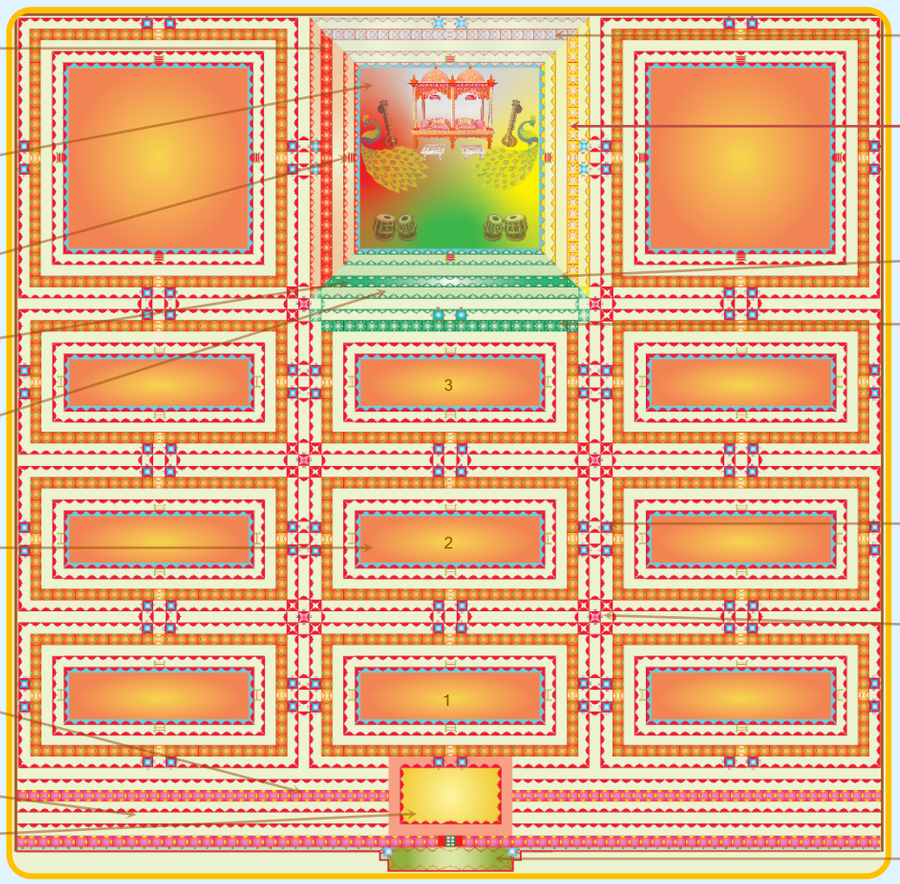
चौरस गुर्ज (66 हाथ लम्बा-चौड़ा)

छज्जा (33 हाथ चौड़ा)

तीसरी भोम की पड़साल



नक्शा नं. 18 रंगमहल : चौथी भोम - नृत्य की हवेली की शोभा



लाल मंदिर व थंभ (दक्षिण दिशा)

चबूतरा (कमर भर ऊँचा व किनार पर थंभ)

3 सीढ़ियाँ

पूर्व की देहलान

नृत्य की हवेली
चौथी चौरस हवेली

पहली, दूसरी व तीसरी चौरस हवेली

6000 मंदिरों की दूसरी हार

त्रिपोलिया

28 थंभ का चौक

सफेद मंदिर व थंभ (पश्चिम दिशा)

पीले मंदिर व थंभ (उत्तर दिशा)

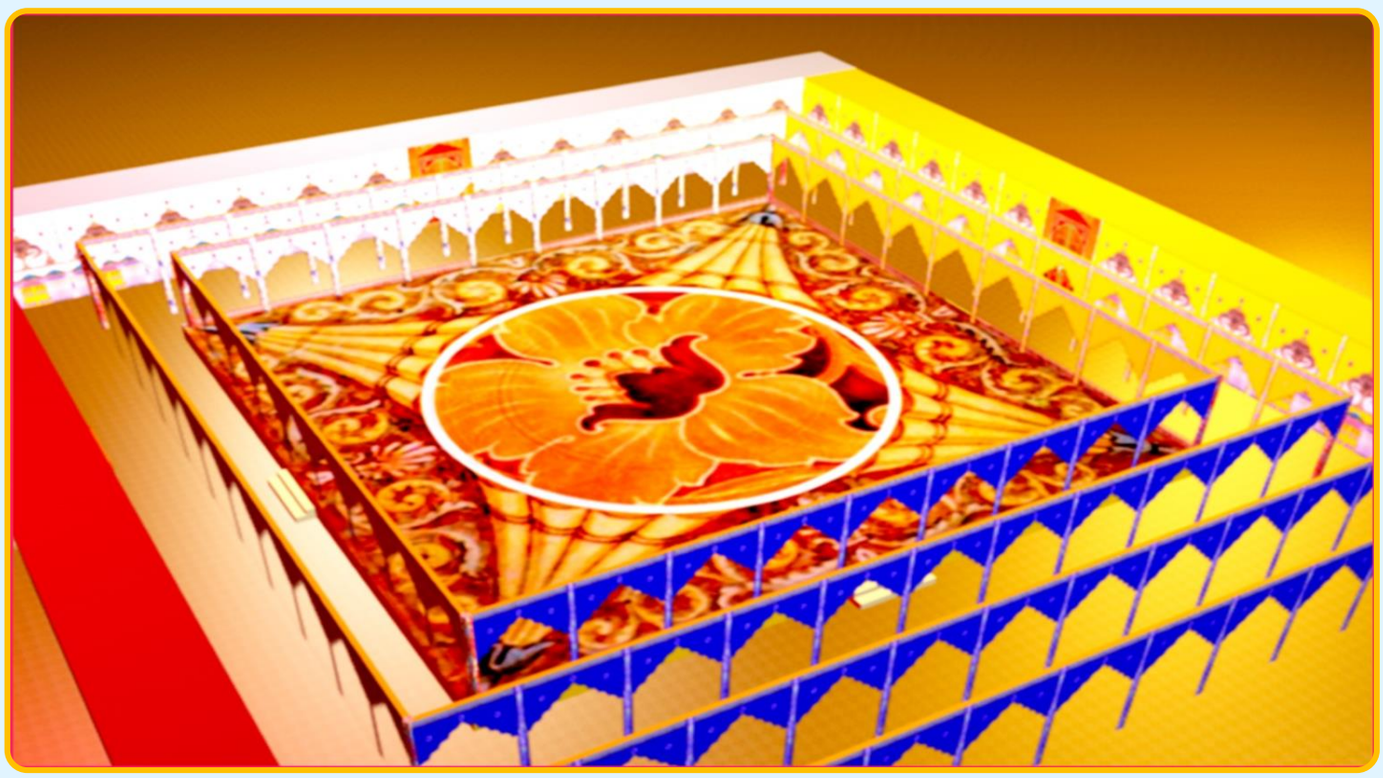
हरे थम्भों की हारें (पूर्व दिशा)

हरी दीवार तीसरी चौरस हवेली के पश्चिम के मंदिरों की

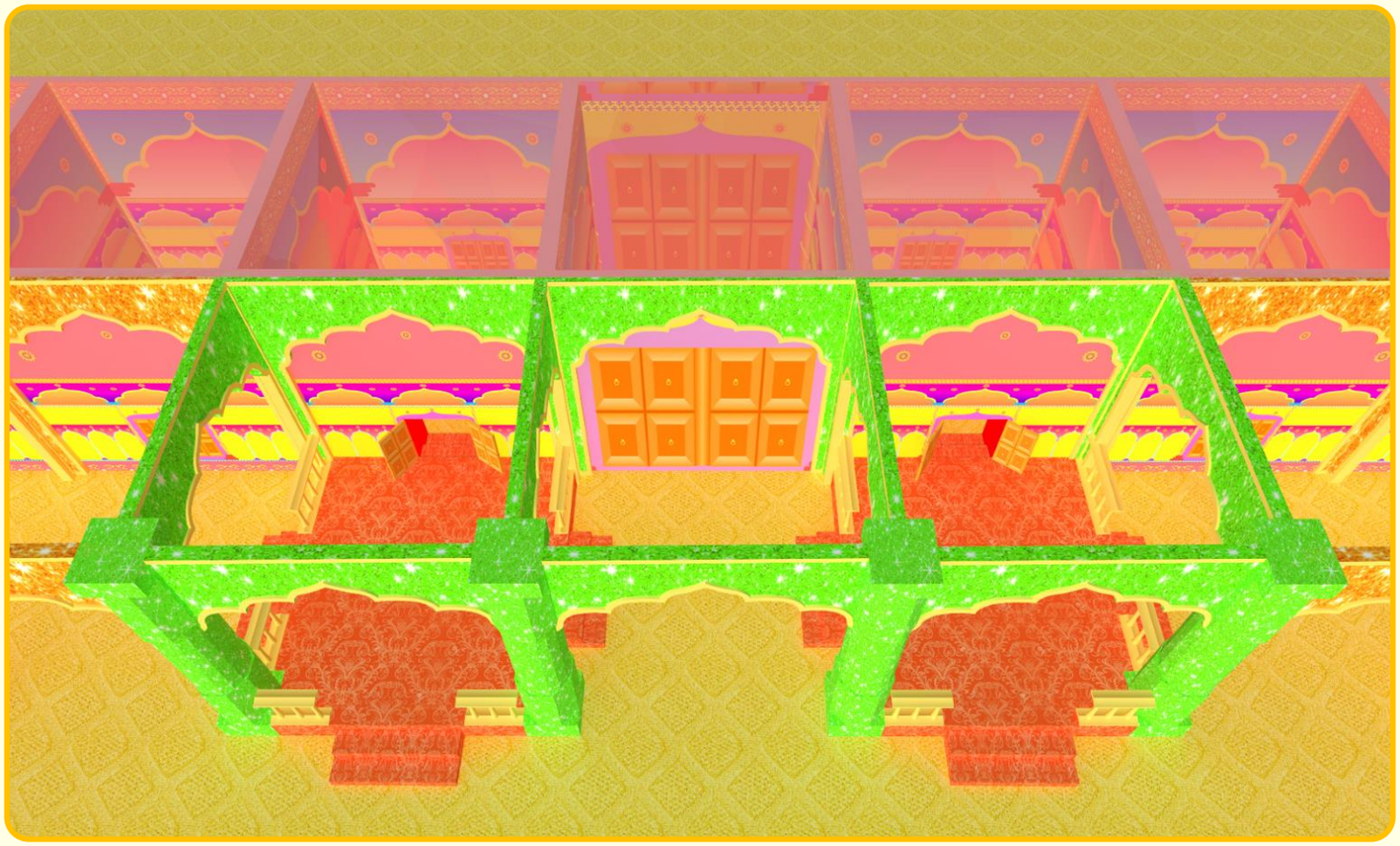
24 मेहराबें (4 चबूतरों के थम्भों पर)

24 मेहराबें 4 हवेलियों के कोनों में (कमरभर ऊँचे चबूतरे पर)

पड़साल (10 मंदिर की लंबी व 2 मंदिर की चौड़ी)



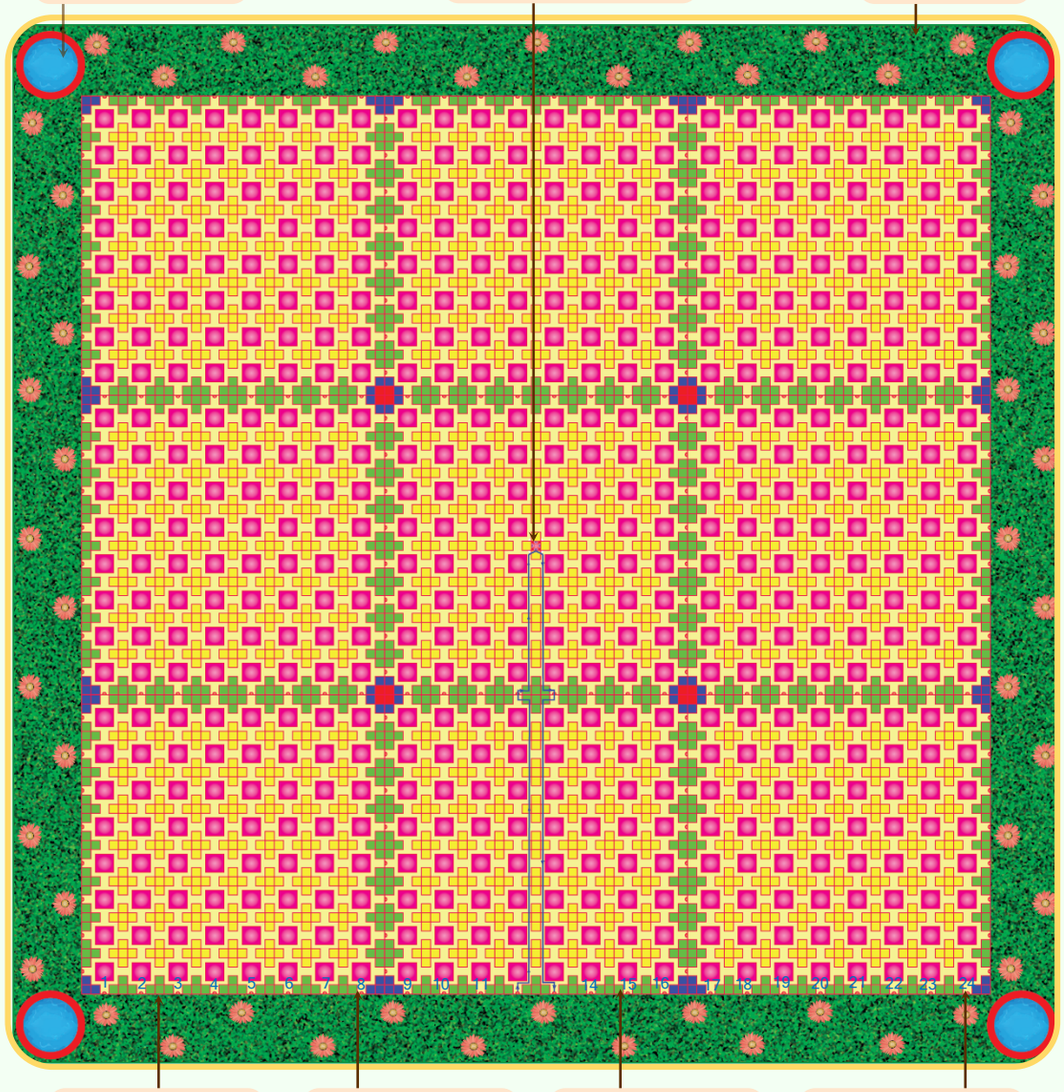
हवेली के दिशा का दरवाजा, दाएं-बाएं चबूतरे व 10 मेहराबों की शोभा



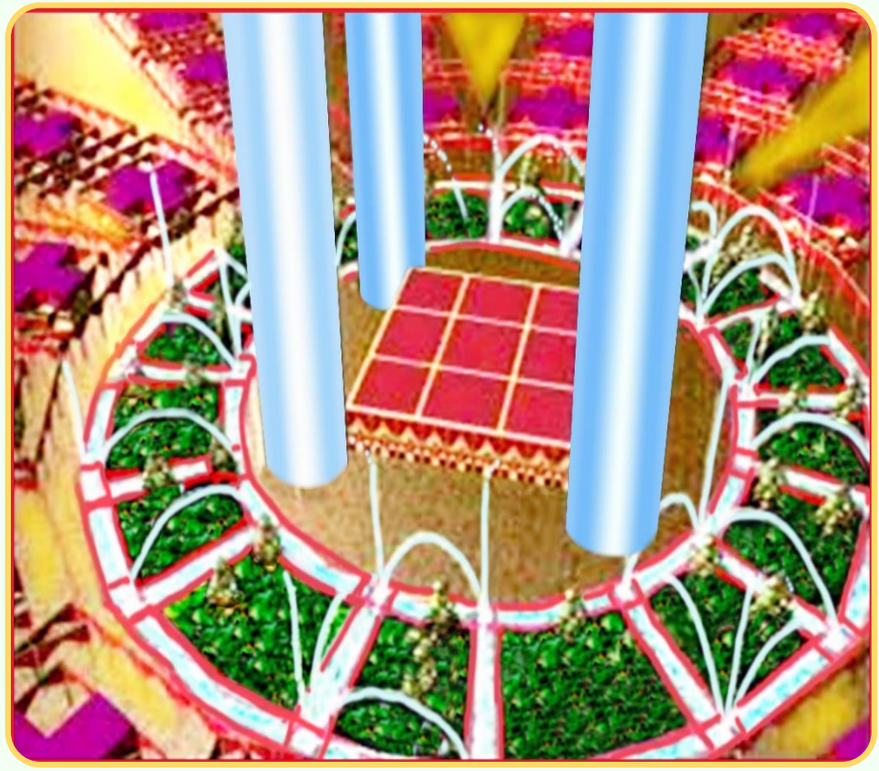
चबूतरे से मंदिर में उतरती 3 सीढ़ियों की शोभा



नक्शा नं. 19(अ) रंगमहल : पाँचवीं भोम के 9 चौक (महाहवेली) की शोभा

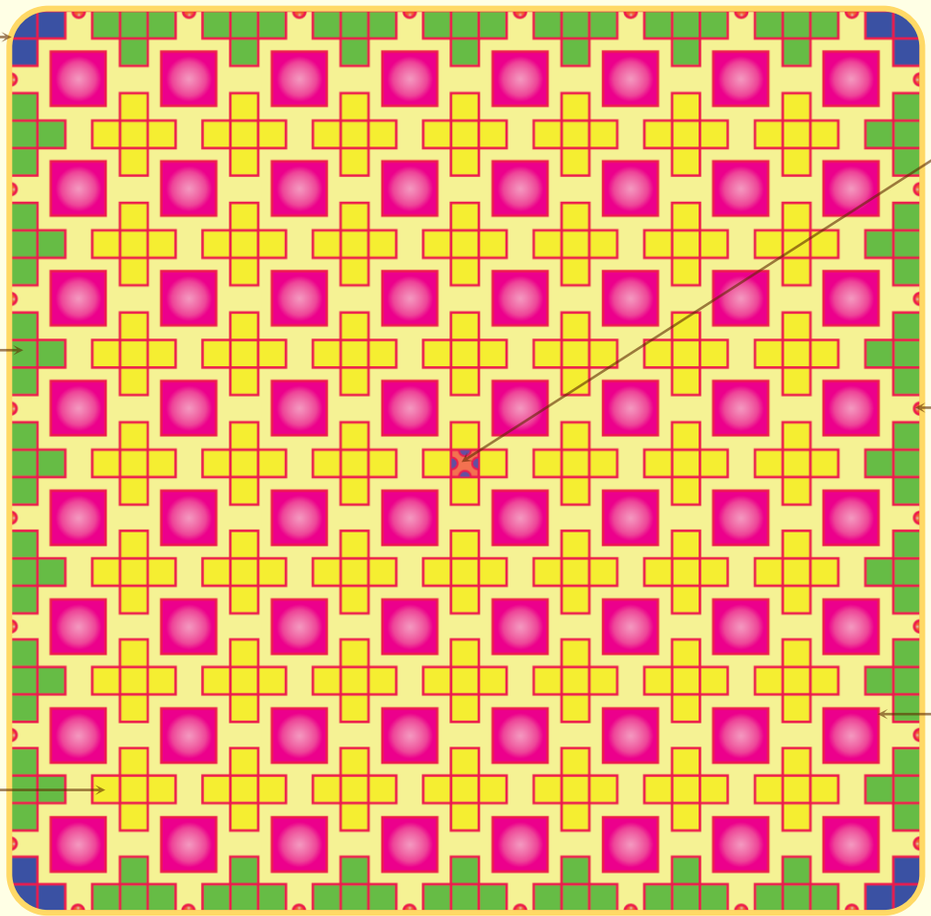


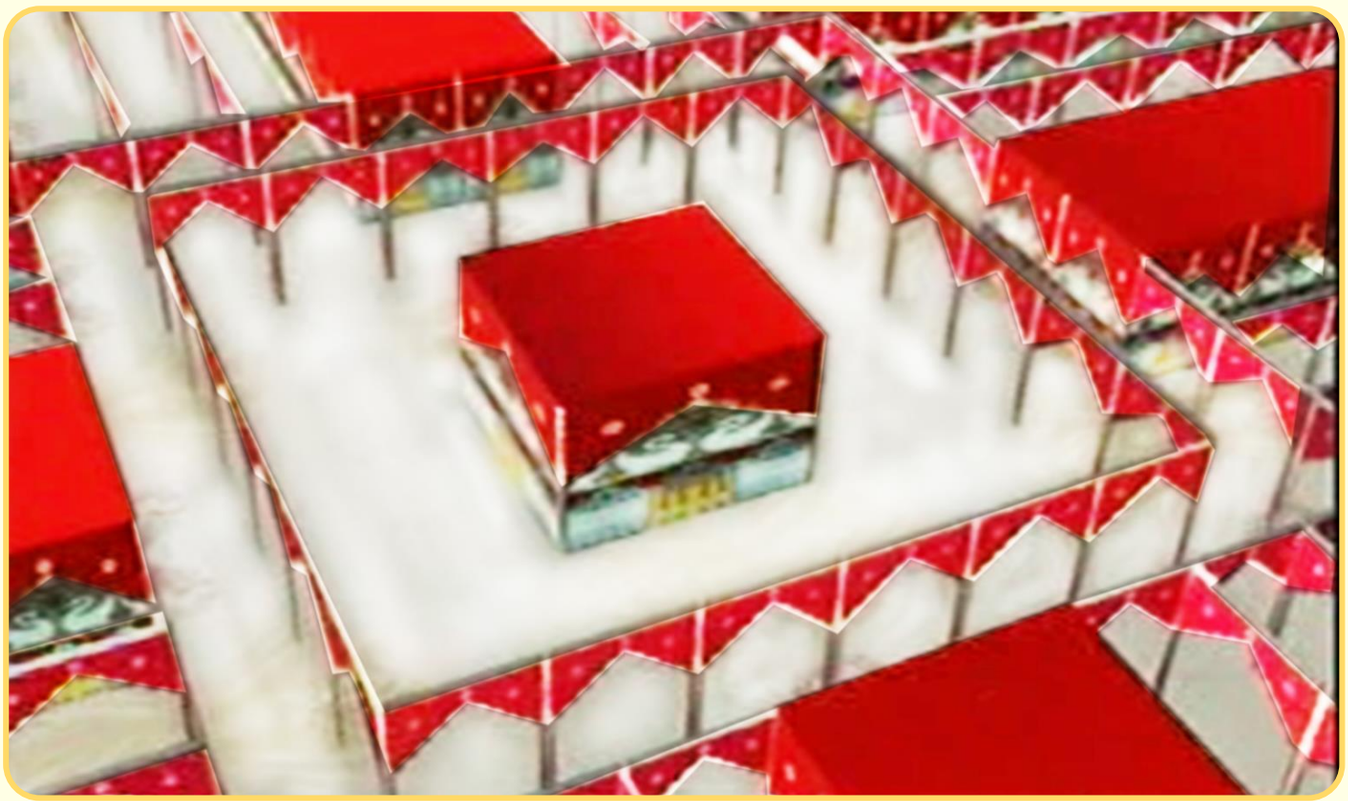
सुख बड़ो भोम पांचमी, मध्य मंदिर बारे हजार ।
बीच मोहोल स्यामाजीय को, इन चारों तरफों द्वार ।।



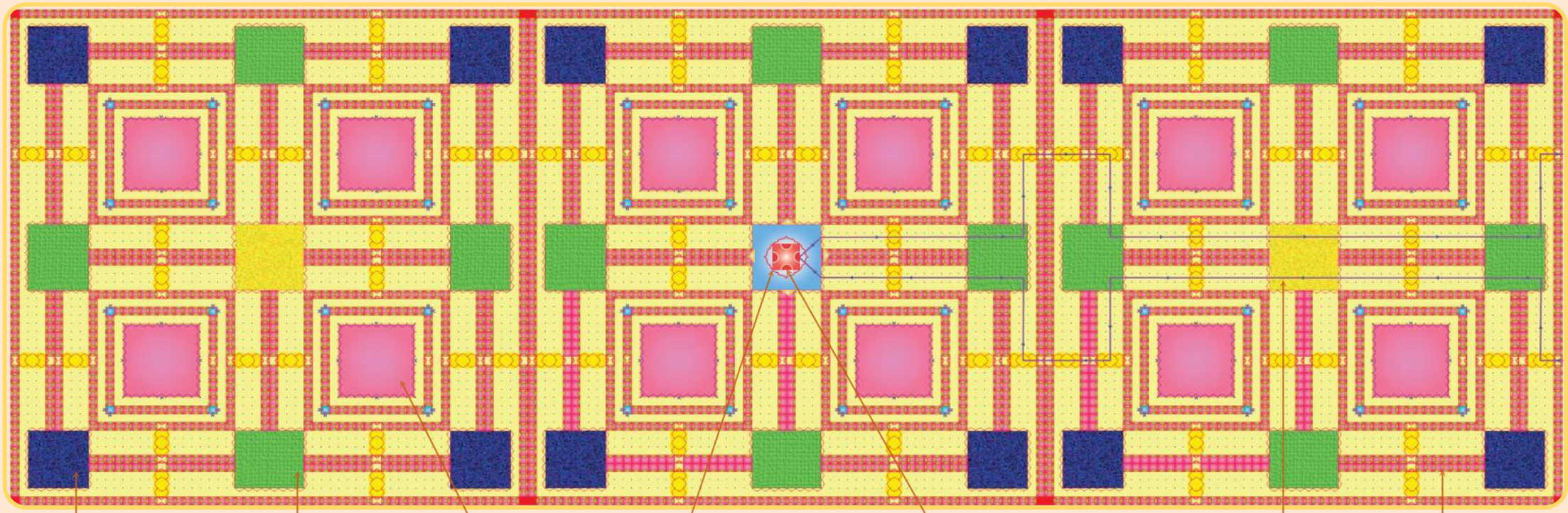
भोम पांचवी मध की, इत पौढ़त हैं रात ।
स्याम स्यामा जी साथ सब, जोलों होए प्रभात ।।

नक्शा नं. 19(ब) रंगमहल : पाँचवीं भोम - मध्य के चौक में रंगपरवाली मंदिर की शोभा





नक्शा नं. 20(अ) रंगमहल : पाँचवीं भोम मध्य के 3 चौक की शोभा



दोपुड़ा (दो रास्ते)
चौक के चारों कोनों में)

त्रिपुड़ा
(तीन रास्ते)

हवेली

रंगपरवाली मंदिर
(2 मंदिर लम्बा–चौड़ा) मध्य के चौपुड़े में

4 दरवाजे
(रंग परवाली मंदिर की दिशाओं में)

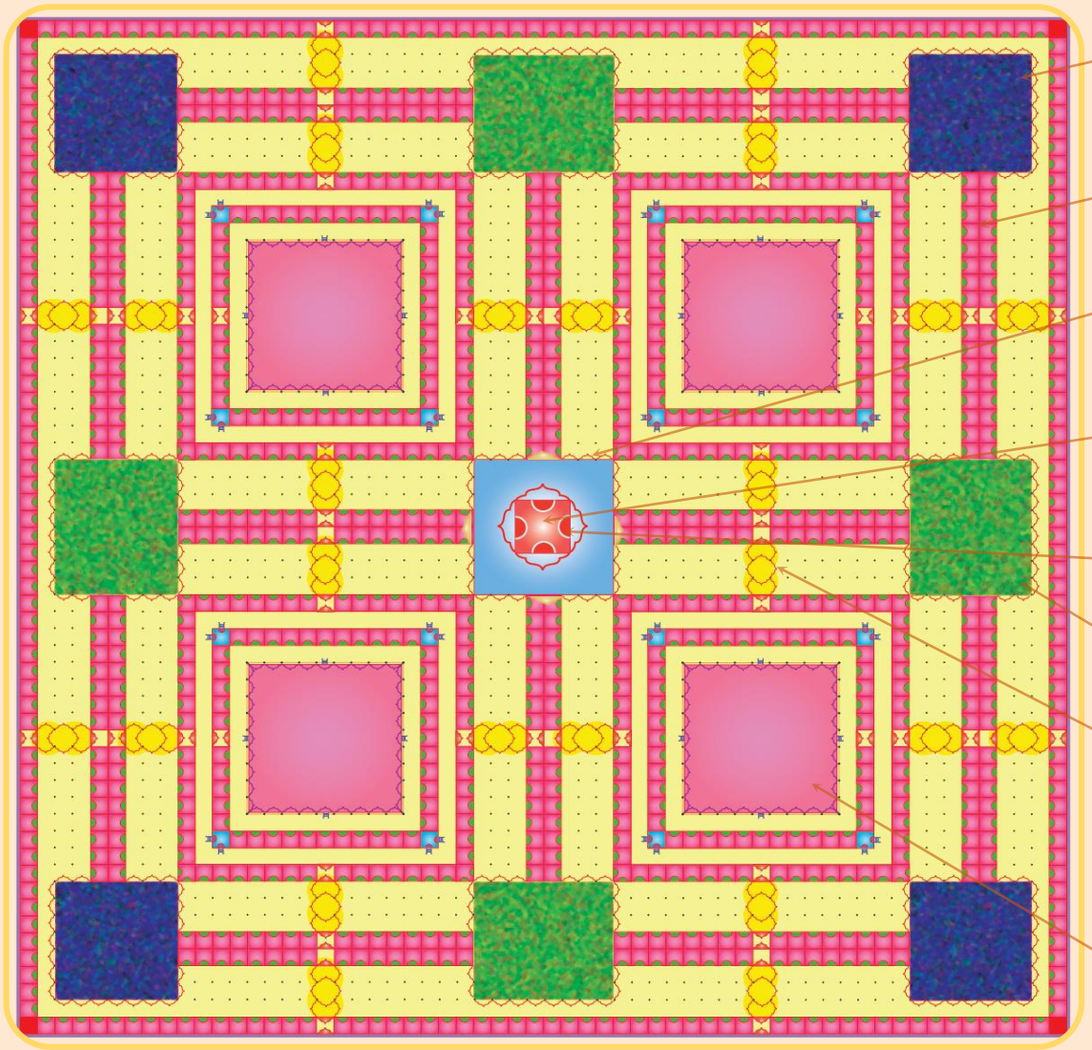
चौपुड़ा
(चार रास्ते)

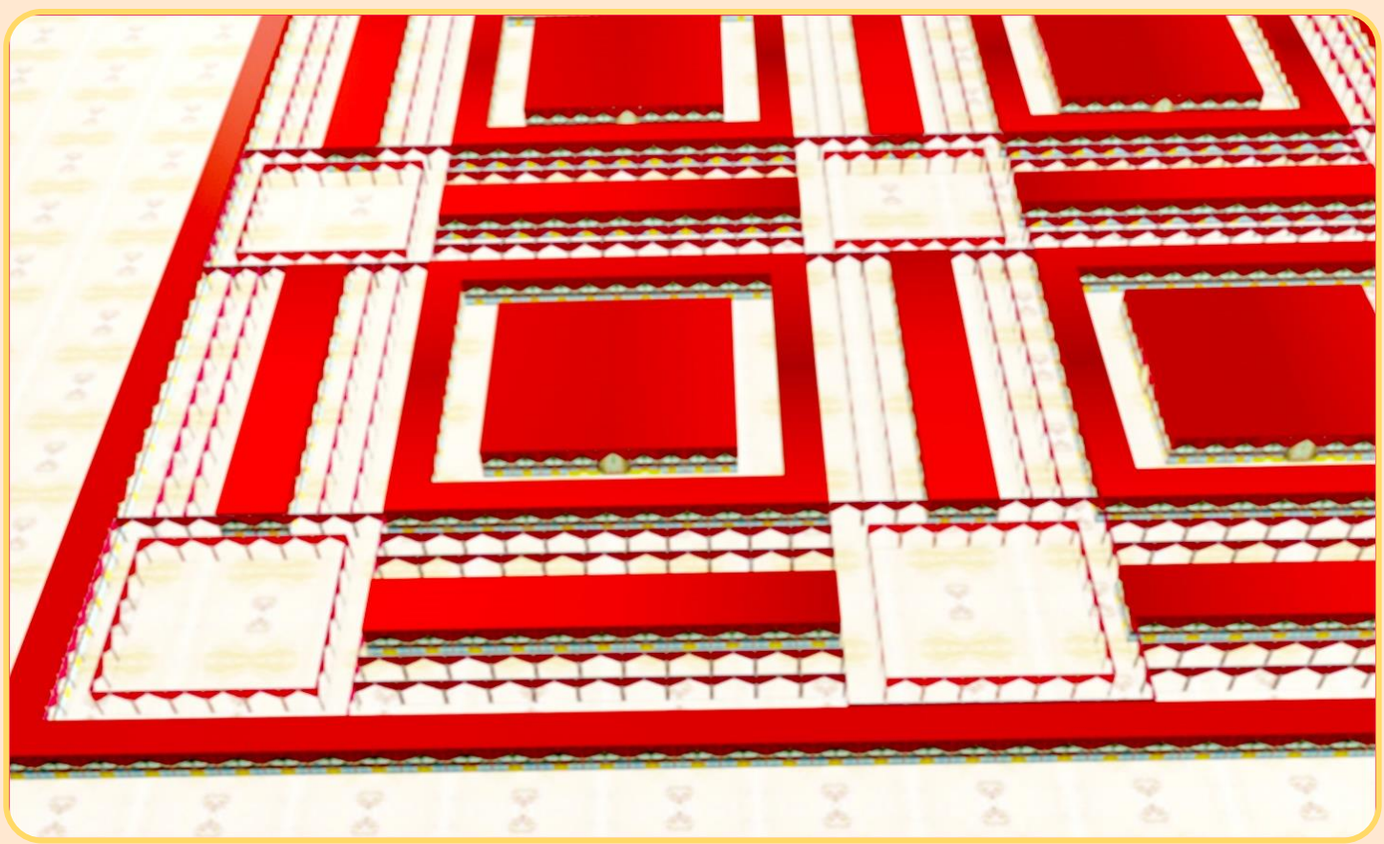
जुड़ाफे के मंदिर

अब कहूं भोम पांचमी, जहां पौढ़न को पधारत।
निरत देख के चढ़त है, पोहोर एक रात बखत।।

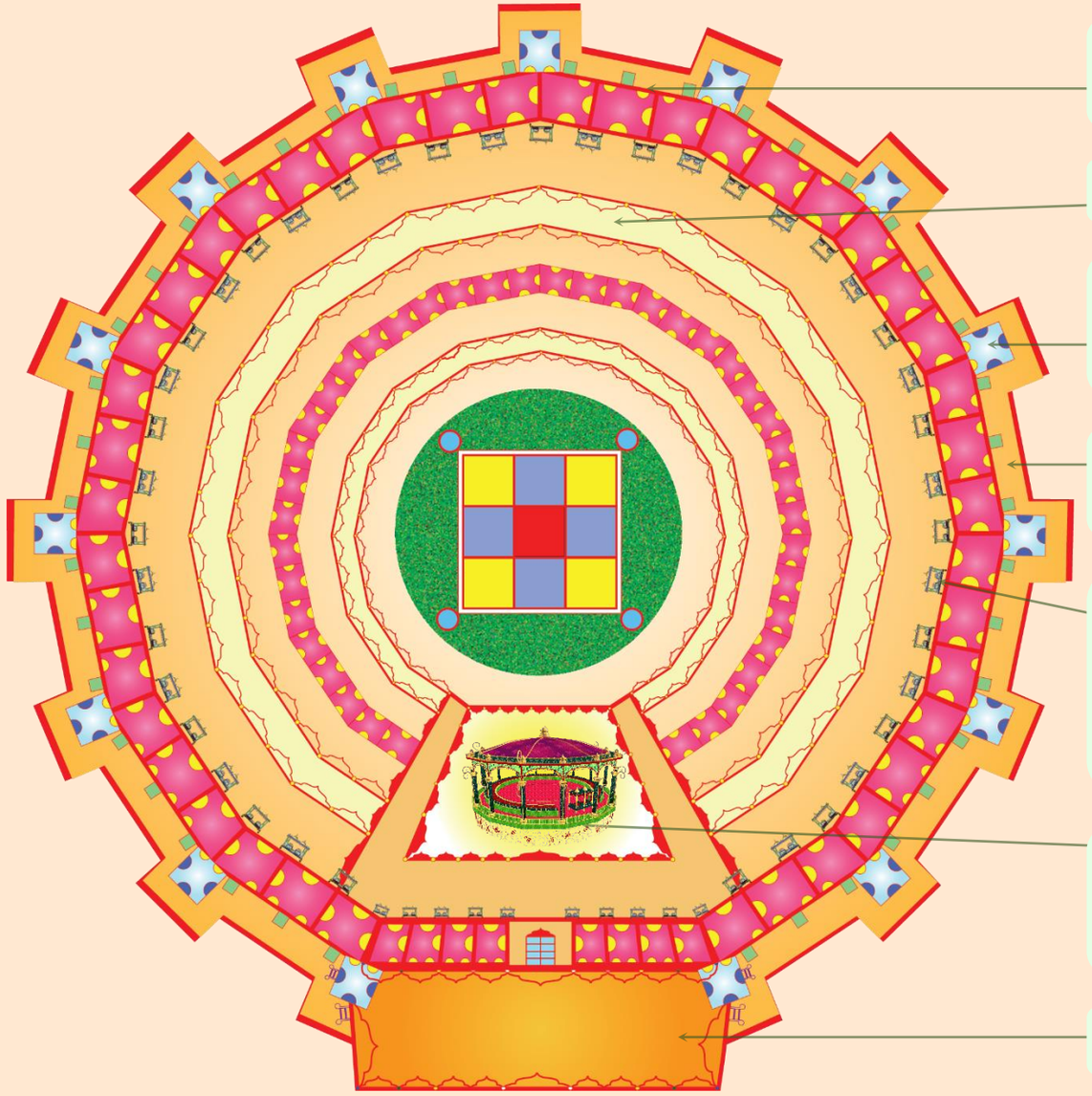
मध्य लाल परवाली मंदिर, इन चौक के दरम्यान।
लाल रंग है तिन का, रहे मोमिन दिल पेहेचान।।

नक्शा नं. 20(ब) रंगमहल : पाँचवीं भोम मध्य के चौक की शोभा





नक्शा नं. 21 रंगमहल : छठी भोम – सुखपाल व तखतरवा



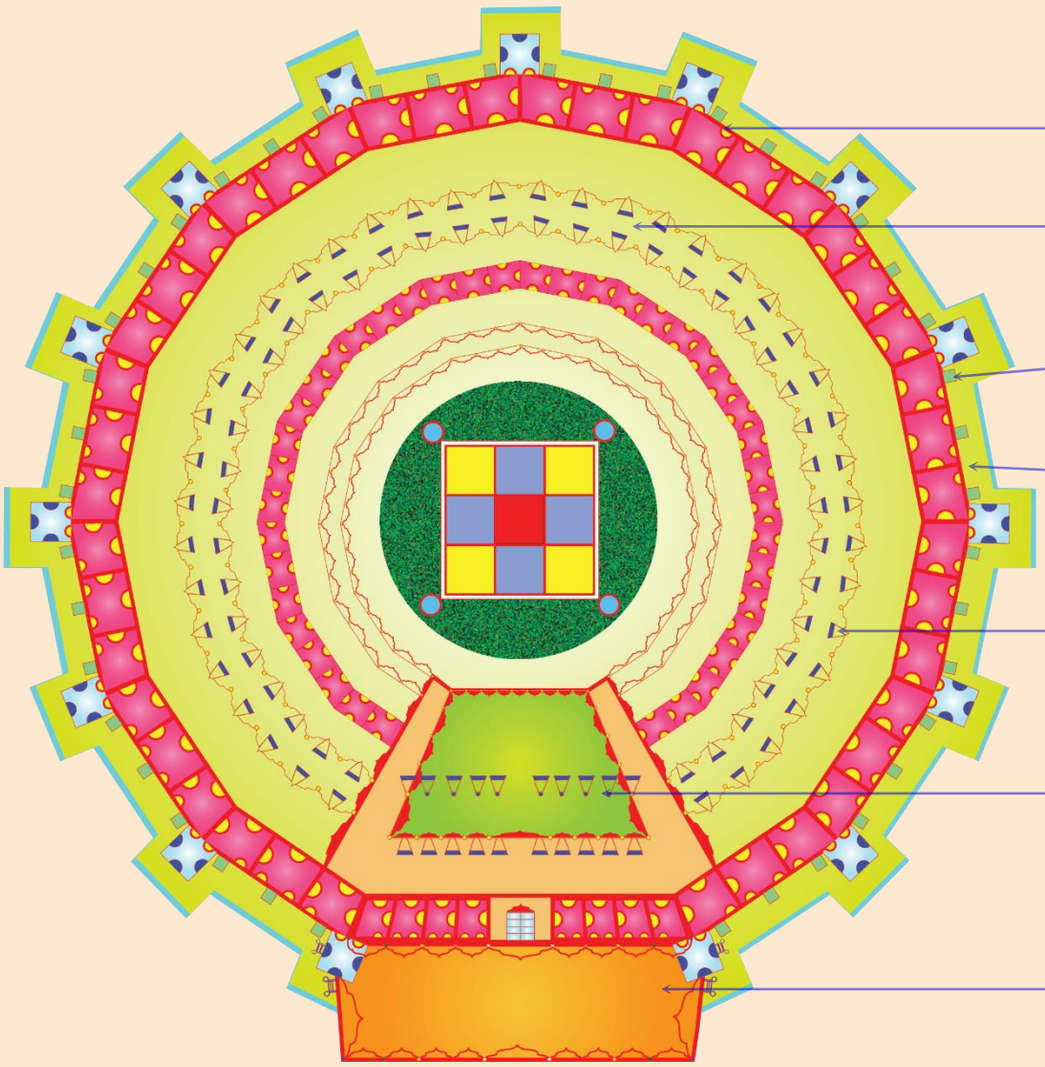


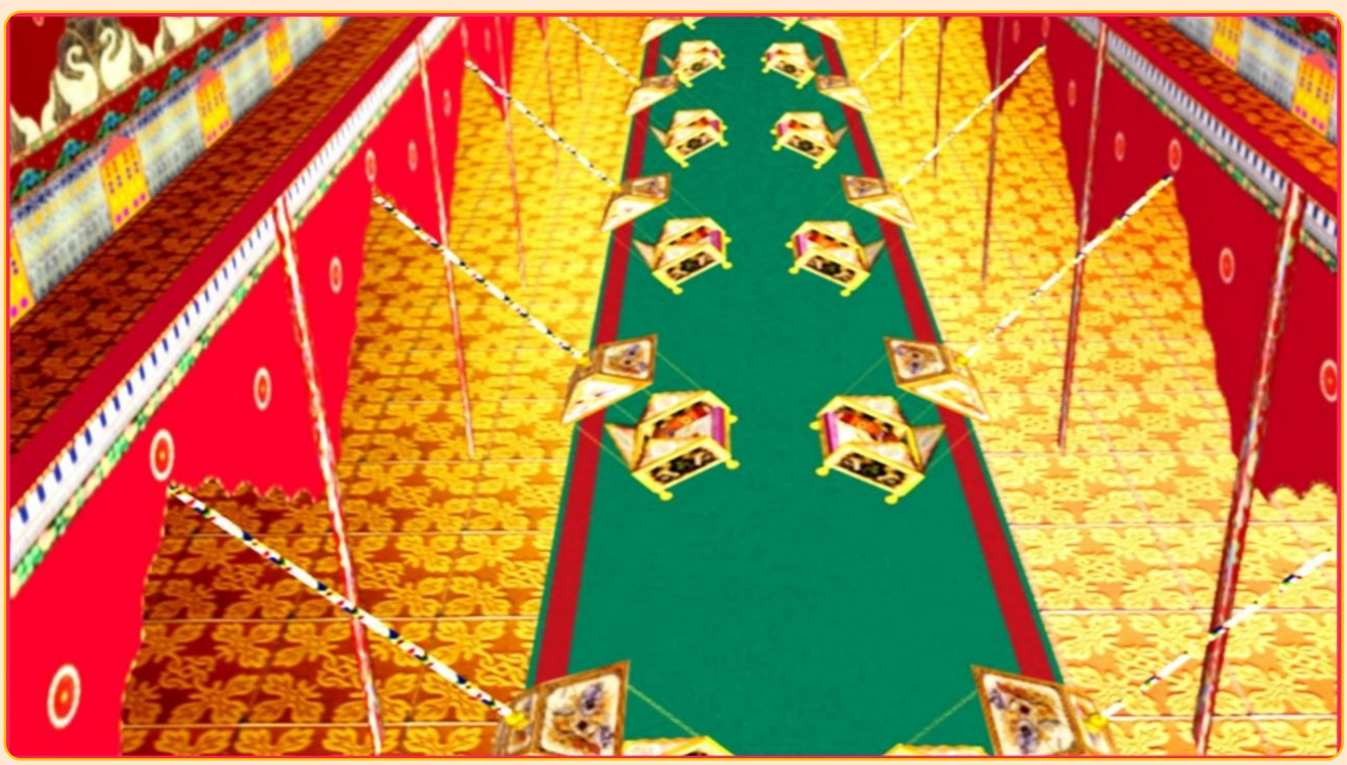


मनवेगी सुखपाल व तखतरवा की शोभा

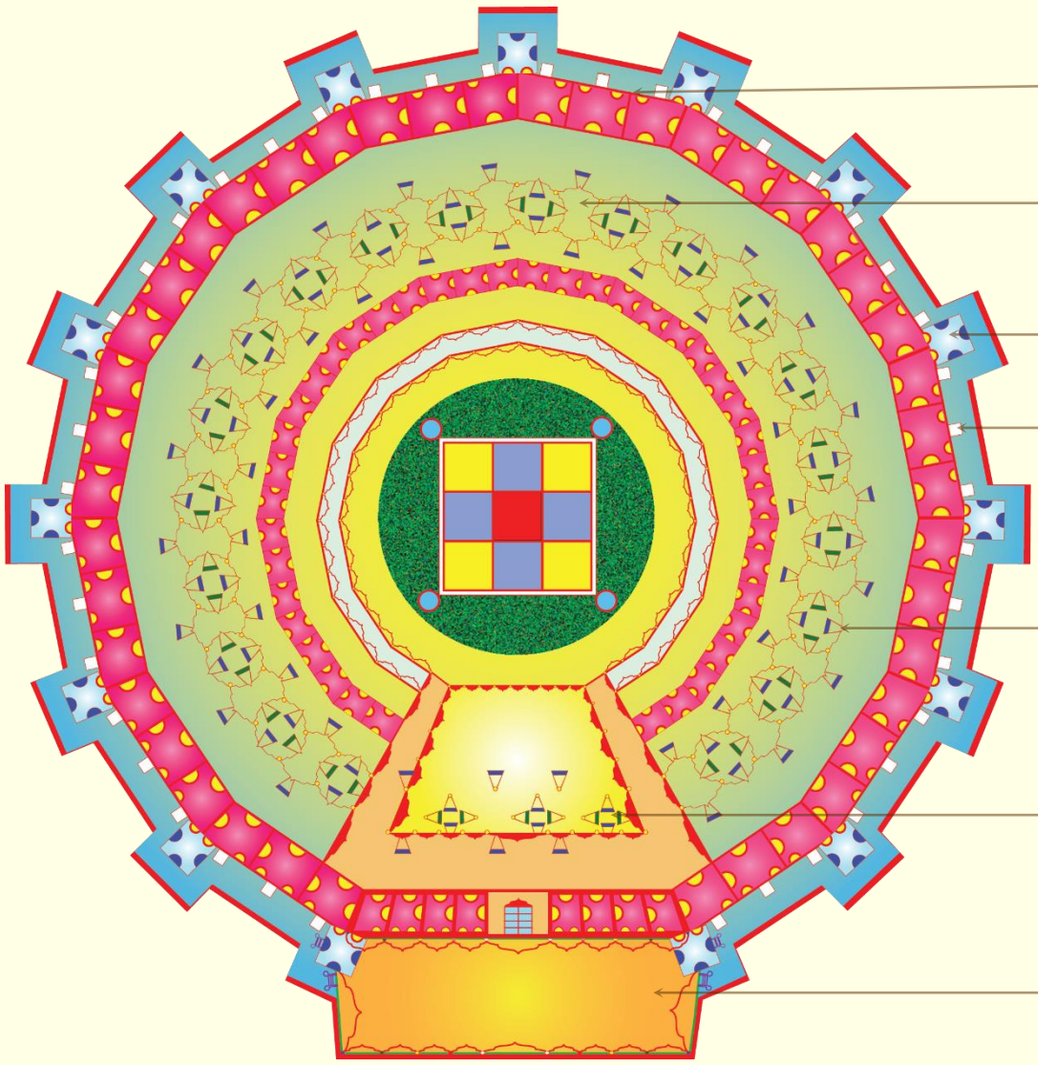


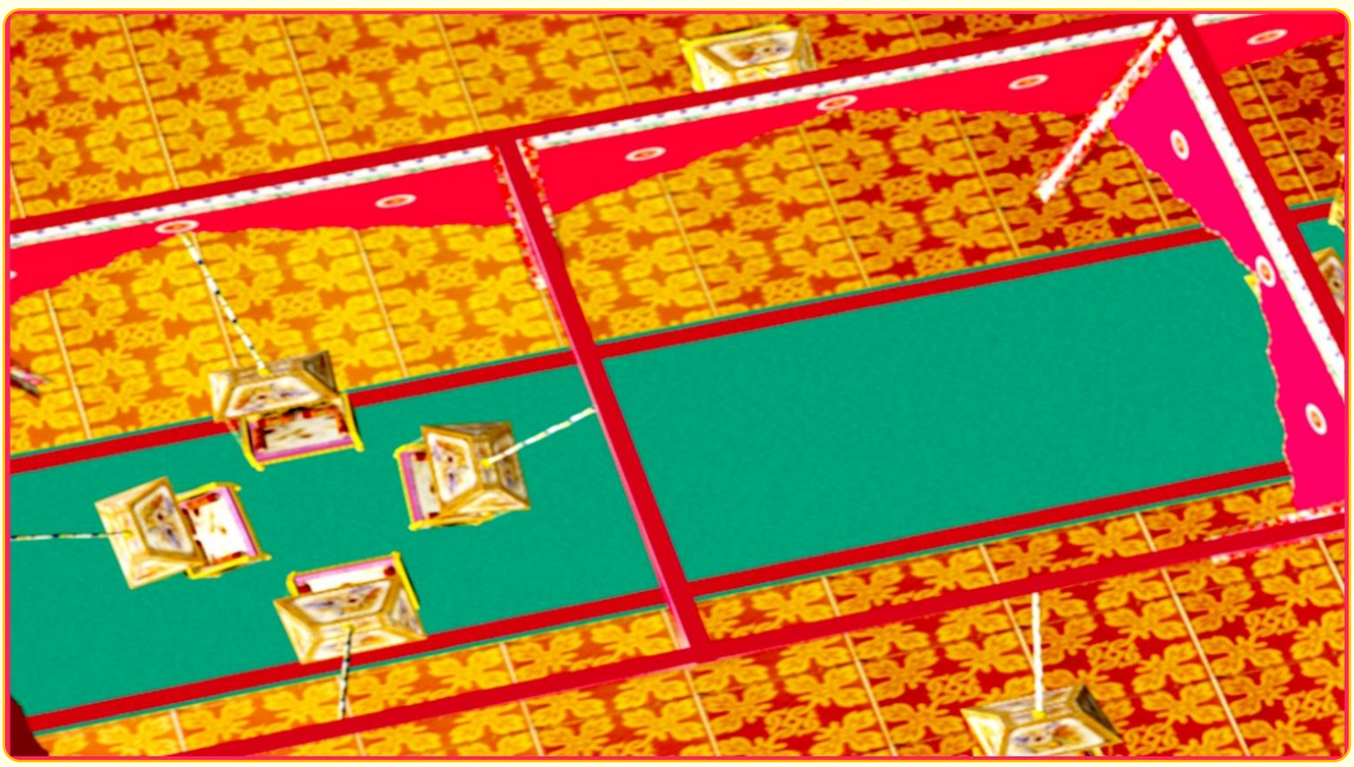
नक्शा नं. 22 रंगमहल : सातवीं भोम – दो हिंडोलों की ताली की शोभा



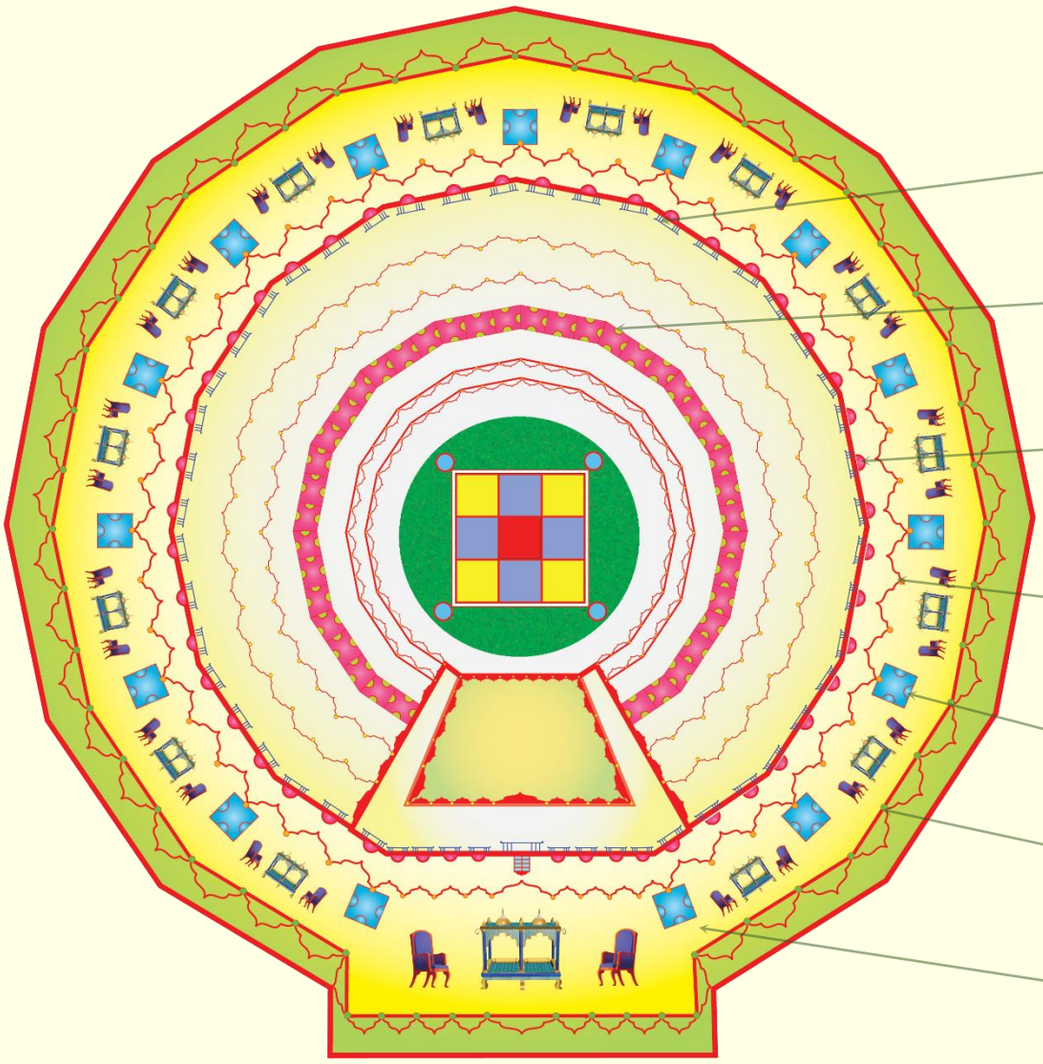


नक्शा नं. 23 रंगमहल : आठवीं भोम – चार हिंडोलों की ताली की शोभा



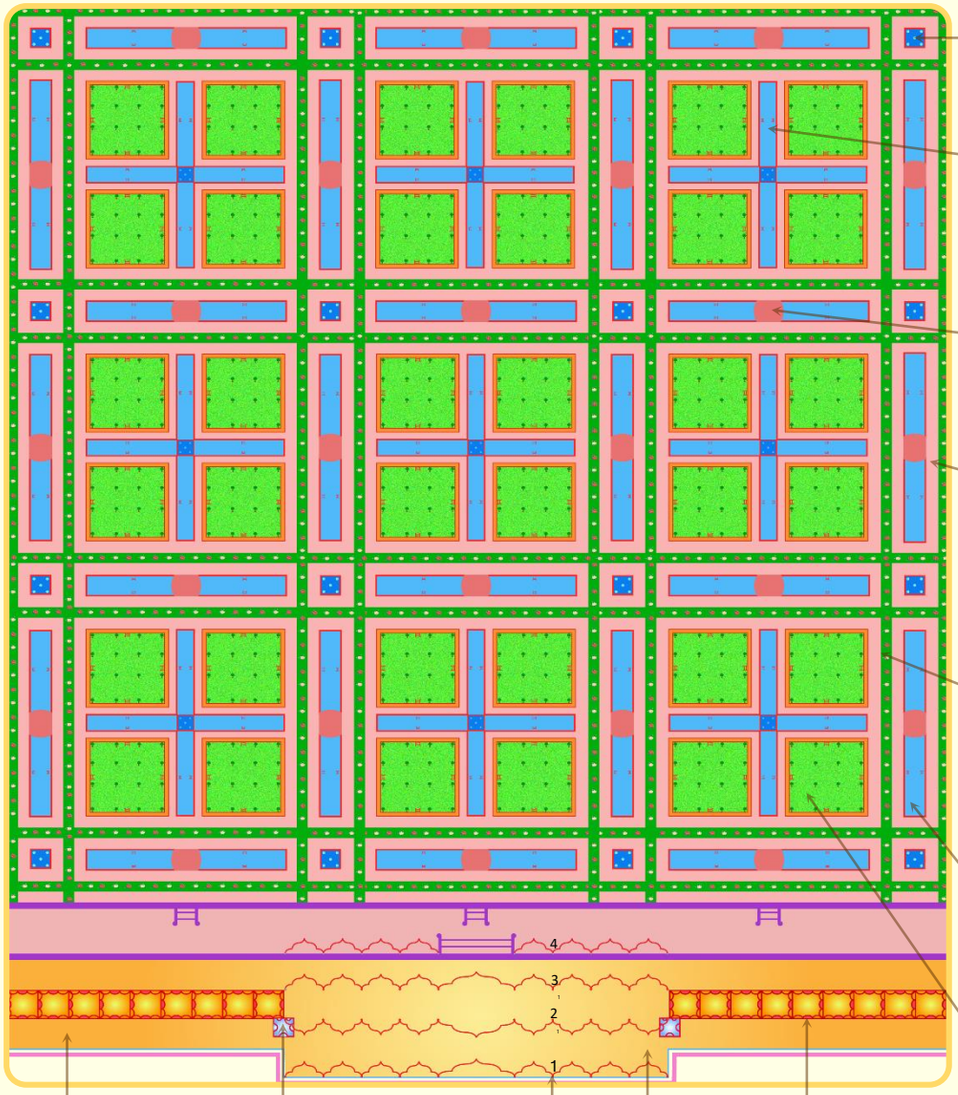


नक्शा नं. 24 रंगमहल : नौवीं भोम – दूरदर्शिका की शोभा





नक्शा नं. 25 रंगमहल : दसवीं आकाशी पर बाग-बगीचों की शोभा



चेहबच्चे व फव्वारे

छोटी नहरें (1/2 मंदिर चौड़ी, कमर भर गहरी) जिसके दोनों तरफ 25-25 हाथ की रौंस

पुल (प्रत्येक नहर के मध्य में)

बड़ी नहर का चबूतरा (कमरभर ऊँचा, 3 मंदिर चौड़ा) नीचे की हवेलियों के बीच में आए त्रिपोलिये की जगह पर

बड़ी नहर के दांए-बांए पाल के 100 हाथ में से 33-33 हाथ की रौंस व मध्य में 33 हाथ की फुलवारी

बड़ी नहरें 1 मंदिर चौड़ी (कमरभर गहरी)

बगीचे (नीचे की हवेलियों की चाँदनी पर) प्रत्येक बगीचे में 4 छोटे बगीचे

छज्जा (1 मंदिर चौड़ा)

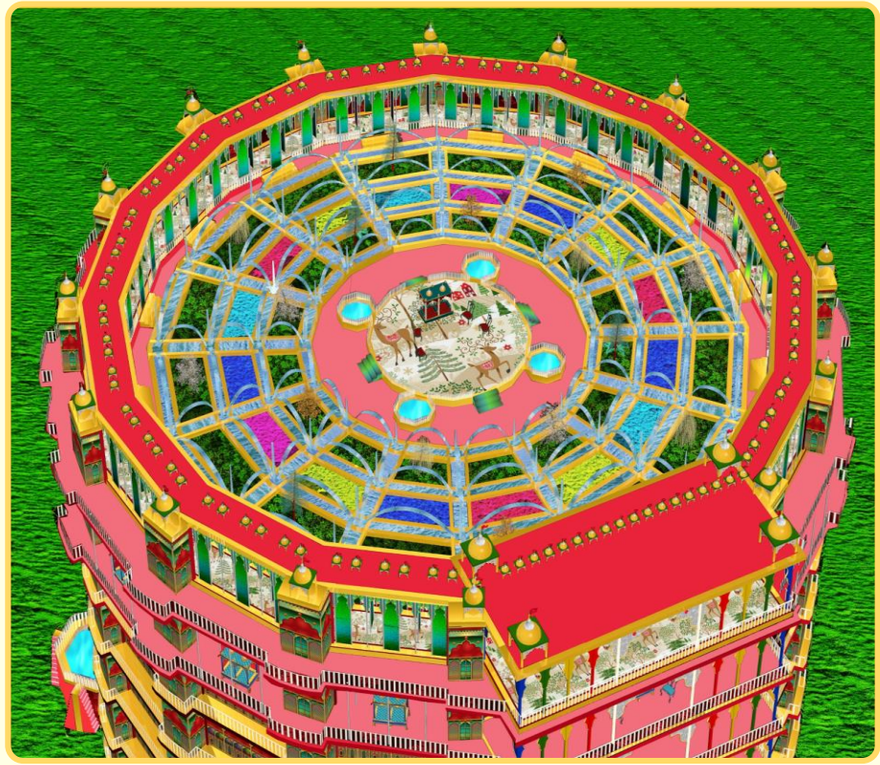
चौरस गुर्ज (66 हाथ लम्बे-चौड़े)

10 थंभो की 4 हारें

पड़साल

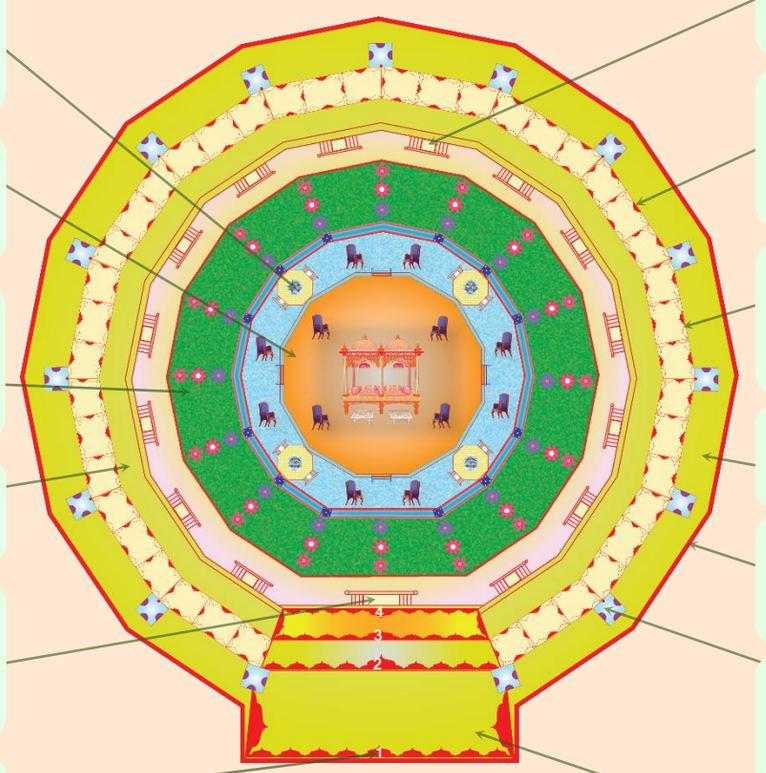
देहलानें (बाहरी हार मंदिरों के ऊपर)

सुख चांदनी चढ़ाए के, पूनम की मध्य रात।
ए कौन देवे मासूक बिना, इस्क भीगे अंग गात।।



बड़ा मोहोल चौक चांदनी, चांद पूरन रह्या छिटक।
रात बीच सिर आवत, जब कबूं बैठे इत हक।।

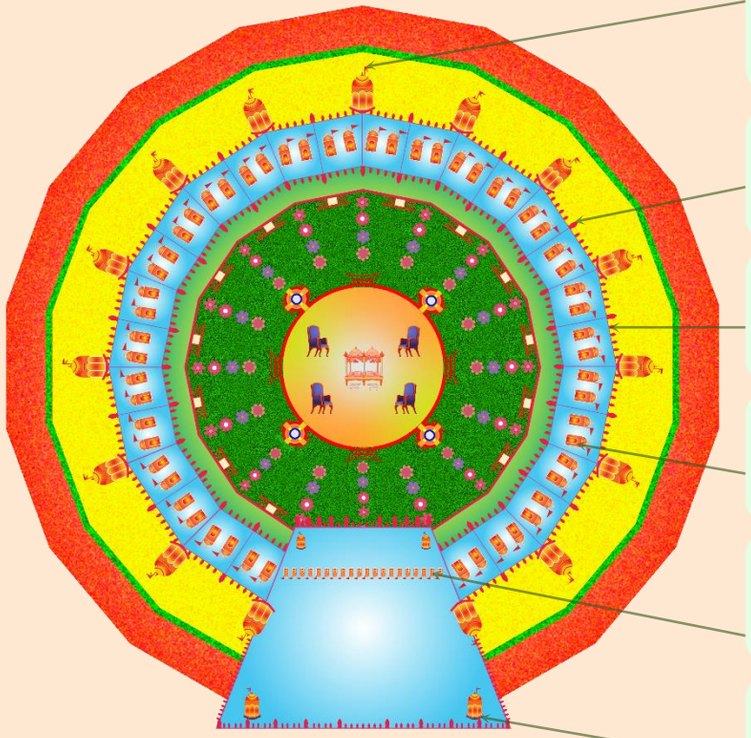
नक्शा नं. 26 रंगमहल : दसवीं आकाशी पर देहलानों की शोभा



दरवाजे उपर के, एह छज्जे देहेलान ।
सो उंचे चढ़े चांदनीअ में, घेरा नूर रोशन जिमी आसमान ।।

नक्शा नं. 27 रंगमहल : दसवीं आकाशी पर गुम्मटियों की शोभा

ए जो गुमटियां गिरदवाए की, नगीने एक अगले सौ दोए ।
बारे हजार गुमटियां, सोभा लेत अति सोए ।।





दसों भोम के मोहोल सुख, कौन देवे मासूक बिन।
सो इत सुख ल्याए इलम, ना तो कौन देवे जिमी इन।।